twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

DD

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | मंगलवार, 29 जुलाई, 2025 | वर्षः 12, अंकः 253, पृष्ठः 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

किसी के दबाव में नहीं रोका गया था ऑपरेशन सिंदूरः राजनाथ

पाकिस्तान के हार मानने पर रोका गया था ऑपरेशन सिंदूर, किसी दबाव में नहीं : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की शुरूआत में ही साफ कर दिया कि यह ऑपरेशन पाकिस्तान के हार मानने के बाद उसकी पेशकश करने पर रोका गया था, किसी के दबाव में नहीं। भारतीय वायु सेना के जबरदस्त हमलों, नियंत्रण रेखा पर थल सेना की मजबूत जवाबी कार्रवाई और नौसेना के हमलों के डर ने पाकिस्तान को झुकने पर मजबूर कर दिया। ऑपरेशन रोकने के साथ ही पाकिस्तान को चेतावनी भी दी गई थी कि अगर भविष्य में कोई भी आतंकी हरकत हुई तो यह ऑपरेशन दोबारा शुरू किया जाएगा। लोकसभा में रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर तीनों सेनाओं की कार्रवाई का शानदार उदाहरण बना। भारतीय वायु सेना ने आसमान से हमले किए, तो हमारी थल सेना ने जमीन पर मोर्चा संभाले रखा। पाकिस्तान की यह हार कोई सामान्य विफलता नहीं थी, बल्कि यह उसके सैन्य बल और सैनिक बलों की हार थी। 6 और 7 मई को भारतीय सेना ने एक ऐतिहासिक सैन्य कार्रवाई को अंजाम दिया। वह केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं थी, बल्कि यह भारत की संप्रभुता, उसकी अस्मिता, देश के नागरिकों के प्रति हमारी जिम्मेदारी और हिंसा के खिलाफ हमारी नीति का एक प्रभावी और निर्णायक प्रदर्शन था।

ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देने से पहले हमारी सेना ने सभी सिद्धांतों का गहराई से अध्ययन किया। हमारे पास कई विकल्प थे, लेकिन हमने उस विकल्प को चुना जिसमें, आतंकवादियों और उनके ठिकानों को अधिकतम नुकसान पहुंचे और जिसमें पाकिस्तान के आम नागरिकों को कोई क्षति न हो। इसके बाद हमारी सेना ने 9 आतंकवादी बुनियादी ढांचों को लक्ष्य बनाकर सटीक प्रहार किया।

हमारी कार्रवाई पूरी तरह से आत्मरक्षा में थी: राजनाथ सिंह

इस सैन्य कार्रवाई में करीब सौ से अधिक आतंकवादी, उनके प्रशिक्षक, हैंडलर और सहयोगी हैं। इनमें से अधिकांश जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे आतंकी संगठनों से संबंधित थे। ये वही आतंकी संगठन हैं, जिन्हें पाकिस्तान की सेना और आईएसआई का खुला समर्थन प्राप्त है।

लोकसभा में रक्षा मंत्री ने कहा कि हमारी कार्रवाई पूरी तरह से आत्मरक्षा में थी, यह न तो उत्तेजक (प्रोवोकेटिव) थी और न ही विस्तारवादी थी। फिर भी 10 मई को रात करीब 1 बजे 30 मिनट तक पाकिस्तान ने बड़े पैमाने पर भारत के ऊपर मिसाइल, रॉकेट और अन्य लंबी दूरी के हथियारों का इस्तेमाल किया।

जयशंकर ने किया ट्रम्प के दावे का खंडन, शाह बोले शपथ लिए मंत्री पर भरोसा करे विपक्ष

नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने सोमवार को लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा में भाग लेते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के इस दावे का खंडन किया कि पाकिस्तान के साथ संघर्ष विराम को रोकने में उनकी भूमिका थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री मोदी और ट्रम्प के बीच इस दौरान कोई बातचीत नहीं हुई और अमेरिकी नेताओं से बातचीत में कभी भी व्यापार का मुद्दा नहीं आया। विदेश मंत्री ने सदन को बताया कि भारत की 10 मई को तड़के की गई विध्वंस कार्रवाई से पाकिस्तान घबरा गया। विभिन्न देशों के माध्यम से अनुरोध आया कि पाकिस्तान संघर्ष विराम चाहता है। हमने स्पष्ट किया कि हमला पाकिस्तान के उकसावे का नतीजा था और अगर वह संघर्ष विराम चाहता है तो आधिकारिक चैनल यानी डीजीएमओ स्तर पर इसका अनुरोध करे। हमें पाकिस्तान से इसका अनुरोध प्राप्त हुआ और उसके बाद भारत के हमलों को रोका गया। विदेश मंत्री ने घटनाक्रम से सदन को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि 9 मई को अमेरिकी उपराष्ट्रपति का फोन आया और उन्होंने बताया कि पाकिस्तान बड़ा हमला करने जा रहा है। प्रधानमंत्री का जवाब था कि हमले का जवाब उचित ढंग से दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि वे स्पष्ट कर देना चाहते हैं कि 22 अप्रैल को पहलगाम हमले पर दुख जताने के बाद राष्ट्रपति ट्रम्प और प्रधानमंत्री के बीच 17 जून को बातचीत हुई। इस बीच कोई बातचीत नहीं हुई। विदेश मंत्री के बयान के बाद विपक्ष ने सदन में शोर-शराबा शुरू कर दिया। इस पर गृह मंत्री अमित शाह ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि विपक्ष को सदन में बोल रहे भारत में शपथ लिए मंत्री (जयशंकर) पर भरोसा नहीं है बल्कि विदेशी नेता (डॉनल्ड ट्रम्प) पर भरोसा है।

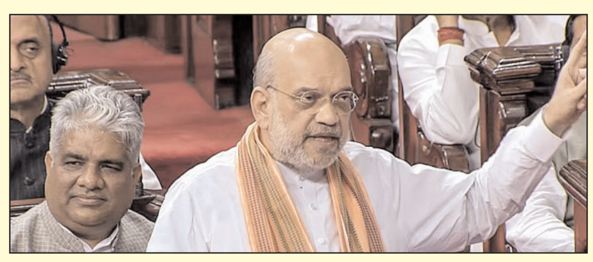

चीन-पाक गठजोड़ का इतिहास पुराना, कुछ नहीं करने वाले पूछ रहे, आपने ज्यादा क्यों नहीं किया : विदेश मंत्री

नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने सोमवार को लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी के चीन-पाक गठजोड़ पर अगाह किए जाने के मुद्दे संबंधित कांग्रेस नेताओं के दावों का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि दो मोर्चों पर लड़ाई का एक इतिहास है और यह बहुत पहले ही शुरू हो गई थी। इससे मुकाबला करने के लिए कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकारों ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि कुछ नहीं करने वाले पूछ रहे हैं कि आपने ज्यादा क्यों नहीं किया। विदेश मंत्री ने लोकसभा में पहलगाम में आतंकवादी हमले के जवाब में भारत के सशक्त, सफल और निर्णायक ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा में भाग लिया। उन्होंने कांग्रेस पार्टी की सरकारों के दौरान विदेश मोर्चे से जुड़ी कमजोरियां गिनाई। विदेश मंत्री ने कांग्रेस को चीन के विषय पर घेरा। उन्होंने आर्थिक पहलू का जिक्र करते हुए कहा कि 2006 में कांग्रेस सरकार चीन के साथ क्षेत्रीय व्यापार समझौता करने जा रही थी। 3जी और 4जी तकनीक चीन से ली गई जबकि हमारी सरकार के दौरान 5जी में स्वदेशी तकनीक का इस्तेमाल किया गया। डोकलाम के दौरान विपक्ष के नेता चीन के राजदूत से ब्रीफिंग ले रहे थे।

पाकिस्तान और चीन के सीमा मुद्दे पर जयशंकर ने कहा कि कांग्रेस सरकार के दौरान विकास नहीं करने की नीति थी। हमने सीमा के विकास पर ध्यान दिया और वहां निर्माण कार्यों के लिए बजट को चार गुना कर दिया।

कर्नल कुरैशी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मंत्री को लगाई फटकार

नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर विवादित बयान देने वाले मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह को सोमवार को फिर फटकार लगाई। न्यायालय ने विजय शाह से पूछा कि आपने अभी तक इसको लेकर सार्वजनिक माफी क्यों नहीं मांगी। आप हमारे धैर्य की परीक्षा ले रहे हैं, हमें आपकी मंशा पर शक है। उच्चतम न्यायालय ने विजय शाह को लेकर जांच कर रही एसआईटी से कहा कि वो 13 अगस्त तक जांच पूरी कर कोर्ट को रिपोर्ट दें। मामले की अगली सुनवाई 18 अगस्त को होगी। उच्चतम न्यायालय ने 19 मई को विजय शाह को जांच में शामिल होने की शर्त पर गिरफ्तारी पर रोक लगाई थी। न्यायालय ने इस मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय एसआईटी के गठन का आदेश दिया है। उसके बाद एसआईटी ने जांच के लिए और समय की मांग की है। 19 मई को सुनवाई के दौरान न्यायालय ने विजय शाह को उनके बयान के लिए फटकार लगाई थी। न्यायालय ने कहा था कि इस बयान से पूरा देश शर्मिंदा है। इसके पहले 15 मई को उच्चतम न्यायालय ने विजय शाह को फटकार लगाते हुए कहा था कि आप ऐसा बयान कैसे दे सकते हैं, आप जानते हैं आप कौन हैं, आप सरकार में मंत्री हैं । जब देश संकट से गुजर रहा हो तो हर शब्द का महत्व होता है, अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए। विजय शाह की ओर से मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के एफआईआर दर्ज करने के आदेश को चुनौती दी गई है। 15 मई को वकील विभा मखीजा ने चीफ जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली बेंच के समक्ष मेंशन करते हुए कहा था कि उच्च न्यायालय ने एफआईआर दर्ज करने का आदेश देते समय विजय शाह का पक्ष नहीं सुना। उनके बयान का गलत अर्थ लगाया गया। विजय शाह ने माफी भी मांग ली थी। तब चीफ जस्टिस ने कहा था कि आपने मुवक्किल ने किस तरह का बयान दिया है। वह संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति हैं। उन्हें जिम्मेदारी का अहसास होना चाहिए था। दरअसल, इंदौर में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में मंत्री विजय शाह ने कर्नल सोफिया कुरैशी का नाम लिए बिना विवादित बयान दिया था। इस बयान के बाद काफी हंगामा खड़ा हुआ था। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने इस मामले पर स्वतः संज्ञान लेते हुए विजय शाह पर एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था।

जस्टिस वर्मा की याचिका पर हुई सुनवाई

नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के मामले में आंतरिक जांच पैनल की रिपोर्ट के विरुद्ध दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि अगर उनको आपत्ति थी तो वह उसी समय कोर्ट क्यों नहीं आए। जस्टिस दीपांकर दत्ता की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि आप कमेटी के सामने पेश क्यों हुए थे। क्या आपको उम्मीद थी कि कमेटी आपके पक्ष में रिपोर्ट देगी। आप एक संवैधानिक पद धारण करने वाले व्यक्ति हैं। मामले की अगली सुनवाई 30 जुलाई को होगी। न्यायालय ने कहा कि जस्टिस वर्मा रिपोर्ट को राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भेजने का भी विरोध कर रहे हैं, राष्ट्रपति ही जजों को नियुक्त करते हैं। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि राष्ट्रपति संवैधानिक प्रमुख हैं तो उन्हें जानकारी देने का विरोध क्यों किया जा रहा है। उच्चतम न्यायालय के सवालों पर जस्टिस वर्मा के वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि वह राष्ट्रपति को जानकारी देने का विरोध नहीं कर रहे हैं, लेकिन घर से मिले पैसे जस्टिस वर्मा के थे, ऐसा क्यों मान लिया गया। इसकी तो जांच होनी चाहिए थी कि पैसे किसके थे। याचिका में जस्टिस वर्मा ने आंतरिक जांच पैनल की रिपोर्ट को रद्द करने की मांग की है। याचिका में तत्कालीन चीफ जस्टिस संजीव खन्ना द्वारा संसद से उनके खिलाफ महाभियोग चलाने का आग्रह करने की सिफारिश को भी रद्द करने की मांग की गयी है। वर्मा के आवास से 14 मार्च को नकदी मिलने के बाद उच्चतम न्यायालय ने एक जांच कमेटी के गठन का आदेश दिया था। राष्ट्रपति ने जस्टिस वर्मा को दिल्ली उच्च न्यायालय से इलाहाबाद उच्च न्यायालय ट्रांसफर कर दिया था। उच्चतम न्यायालय ने 22 मार्च को इस मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय जांच कमेटी के गठन का आदेश दिया था।

बिहार में एसआईआर पर फिलहाल कोई रोक नहीं

नई दिल्ली

बिहार में मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को चुनौती देने वाली याचिका पर उच्चतम न्यायालय ने चुनाव आयोग को फिर सुझाव दिया कि वो आधार कार्ड और मतदाता पहचान पत्र को भी मतदाता लिस्ट में नाम शामिल के लिए मान्य दस्तावेज के रूप में स्वीकार करें। अगर इनमें कोई दस्तावेज फर्जी पाया जाता है, तो उस पर कार्रवाई करें। इस मामले पर अगली सुनवाई 29 जुलाई को होगी। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील गोपाल शंकर नारायणन ने न्यायालय से मांग की कि वो इस दौरान ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी करने पर रोक लगा दे। उच्चतम न्यायालय ने अभी ऐसा कोई आदेश देने से इनकार कर दिया। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि वो इस मामले में पूरी तरह सुनवाई करने के बाद ही फैसला सुनाएगा। इस मामले में एक याचिकाकर्ता एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने कहा है कि निर्वाचन आयोग ने आधार और राशन कार्ड के दस्तावेज को वोटर लिस्ट में शामिल करने के लिए वैध दस्तावेज के रुप में शामिल नहीं करने का कोई पुख्ता कारण नहीं बताया है। एडीआर ने उच्चतम न्यायालय में दाखिल अपने जवाबी हलफनामे में ये बात कही है। एडीआर ने कहा है कि वोटर लिस्ट में शामिल करने के लिए जिन 11 वैध दस्तावेजों की सूची निर्वाचन आयोग ने दी है वे भी फर्जी और झूठे दस्तावेजों के जरिये हासिल किए जा सकते हैं। एडीआर ने कहा है कि स्थायी आवास प्रमाण पत्र, ओबीसी, एससी, एसटी प्रमाण पत्र और पासपोर्ट तक के लिए आधार कार्ड की जरुरत होती है। ऐसे में निर्वाचन आयोग की ओर से आधार कार्ड को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए शामिल नहीं करना बेतुका है।

भारतीय अर्थव्यवस्था वृद्धि की राह पर अग्रसरः वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली

वित्त मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में भारतीय अर्थव्यवस्था स्थिर रुख के साथ वृद्धि के रास्ते पर आगे बढ़ रही है। हालांकि, मंत्रालय का कहना है कि कर्ज वृद्धि में सुस्ती जरूर चिंता का विषय है। वित्त मंत्रालय ने जून, 2025 के लिए जारी मासिक आर्थिक समीक्षा रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। मंत्रालय ने अपनी मासिक आर्थिक समीक्षा में कहा है कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में घरेलू आपूर्ति और मांग की बुनियाद मजबूत दिखाई दे रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक अर्थव्यवस्था स्थिर रुख के साथ वृद्धि के रास्ते पर अपनी गति को बनाये हुए है। रिपोर्ट के मुताबिक मुद्रास्फीति लक्ष्य के दायरे में रहने और मानसून में अच्छी प्रगति के साथ घरेलू अर्थव्यवस्था अपेक्षाकृत मजबूती के साथ वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में प्रवेश की है। हालांकि, वैश्विक स्तर पर तनाव और नहीं बढ़ा है, लेकिन वैश्विक नरमी, विशेष रूप से अमेरिका में कमजोर आर्थिक वृद्धि दर भारतीय निर्यात की मांग को और कम कर सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी की आर्थिक वृद्धि दर 2025 की पहली तिमाही में 0.5 फीसदी घटी है, जो भारतीय निर्यात की मांग को और कम कर सकती है। मंत्रालय की रिपोर्ट में कहा गया है, "अमेरिकी टैरिफ के मोर्चे पर जारी अनिश्चितता आने वाली तिमाहियों में भारत के व्यापार प्रदर्शन पर असर डाल सकती है। धीमी ऋण वृद्धि और निजी निवेश की इच्छा आर्थिक गति में तेजी को सीमित कर सकती है।" इस समीक्षा रिपोर्ट में कहा गया है कि स्थिर मूल्यों में मापी गई आर्थिक गतिविधि वास्तविकता से कहीं अधिक स्वस्थ प्रतीत हो सकती है।

ऑपरेशन महादेवः लश्कर के तीन शीर्ष आतंकी ढेर

नई दिल्ली। ऑपरेशन महादेव के तहत भारतीय सुरक्षाबलों ने श्रीनगर के दाचीगाम जंगल में लश्कर के तीन शीर्ष आतंकवादियों को मार गिराया है। माना जा रहा है कि मारे गए आतंकवादी पहलगाम नरसंहार में शामिल थे। कुछ और आतंकवादियों के फंसे होने की आशंका है, ऑपरेशन जारी है। भारतीय सेना की चिनार कोर ने आधिकारिक बयान में बताया है कि ऑपरेशन महादेव के तहत दाचीगाम राष्ट्रीय उद्यान के पास श्रीनगर के हरवान इलाके में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच भीषण मुठभेड़ हुई। आतंकवादियों की मौजूदगी की विश्वसनीय खुफिया जानकारी मिलने के बाद यह अभियान शुरू किया गया था। इलाके की घेराबंदी कर दी गई है। भारतीय सुरक्षाबलों ने पाकिस्तान के आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के 3 शीर्ष आतंकवादियों को मार गिराया है। माना जा रहा है कि मारे गए आतंकवादी पहलगाम नरसंहार के मुख्य आरोपी थे। कुछ और आतंकवादियों के फंसे होने की आशंका है, ऑपरेशन जारी है। सूत्रों का कहना है कि पहलगाम हमले का मास्टरमाइंड आतंकवादी हाशिम मूसा उर्फ सुलेमान भारतीय सेना के विशेष बलों के साथ मुठभेड़ में मारा गया। हाशिम मूसा पाकिस्तानी सेना के विशेष बलों का पूर्व सैनिक है।-

देश में आवारा कुत्तों के आतंक और काटने से होने वाली मौतों पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया

नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली में आवारा कुत्तों के काटने से हुई मौत से जुड़ी एक खबर पर स्वतः संज्ञान लिया है। जस्टिस जेबी पारदीवाला की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि शहर आवारा कुत्तों से परेशान हैं और बच्चे इसकी कीमत चुका रहे है। न्यायालय ने इस मामले को चीफ जस्टिस के समक्ष उचित दिशा-निदेशों के लिए भेज दिया। न्यायालय ने कहा कि अखबार में छपी रिपोर्ट चिंताजनक और परेशान करने वाले तथ्य हैं। अखबार की रिपोर्ट में कहा गया है कि आवारा कुत्तों के काटने से छोटे बच्चों को रेबीज होता है जो मृत्यु का कारण बनता है। जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि ये बेहद चिंताजनक रिपोर्ट है। शहर आवारा कुत्तों से परेशान और बच्चे इसकी कीमत चुका रहे हैं।

हरियाणा में शुरू होगी लाडो सखी योजना और डिजिटल लर्निंग इकोसिस्टमः सीएम सैनी

मुख्यमंत्री ने किया वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 131 सांस्कृतिक केंद्रों का उद्घाटन

चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को तीज के अवसर पर अंबाला में आयोजित राज्यस्तरीय समारोह में महिलाओं के लिए कई कल्याणकारी योजनाओं की शुरूआत की। उन्होंने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान को और अधिक गति देने के लिए लाडो सखी योजना का शुभारंभ किया। इस योजना के तहत गर्भवती महिलाओं की देखभाल के लिए लाडो सखी को लगाया जाएगा। यह लाडो सखी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा वर्कर व ए.एन.एम. बहनें गर्भवती महिलाओं की प्रसव के दौरान देखभाल करेगी। इस योजना के तहत बेटी पैदा होने पर हर लाडो सखी को एक हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने आंगनवाड़ियों में बढ़ते कदमः डिजिटल बाल कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा की। यह कार्यक्रम आंगनवाड़ी कार्यकताओं की नन्हे बच्चों की देखभाल और शिक्षा में मदद करेगा। सरकार की नई पहलों से हरियाणा में महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स 50 प्रतिशत हो गए हैं। इस गति में और तेजी लाने के लिए मुख्यमंत्री ने आज कुछ और नई पहलों की घोषणाएं की। उन्होंने कहा कि हरियाणा स्टार्टअप्स नीति में 50 प्रतिशत लाभार्थी महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स होंगे। छोटी उम्र में ही उद्यमशीलता में रुचि को बढाने के लिए छात्राओं को 10 हजार डु-इट-योअर सेल्फ किट वितरित की जाएंगी। हाथ से बनाई जाने वाली चीजों, जैसे कि पारंपरिक कपड़ा, पर्यावरण के अनुकूल ग्रामीण शिल्प, आयुर्वेद आधारित हैल्थ एंड वैलनेस, देसी खाद्य उत्पादों आदि में बनाने में लगे महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स की सहायता के लिए एक योजना शुरू की जाएगी। इसमें 50 हजार से 1 लाख रुपये तक की मदद दी जाएगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार, नीति आयोग के सहयोग से, महिला उद्यमिता मंच का हरियाणा स्टेट चैप्टर शुरू करेगी ताकि राज्य की महिला उद्यमियों को 700 से अधिक सलाहकारों के नेटवर्क से व्यक्तिगत मार्गदर्शन मिले, क्षेत्र-विशेष का प्रशिक्षण मिले और वित्त पोषण, बाजार तक पहुंच व इनक्यूबेशन के लिए सहायता मिल सके। मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि नई औद्योगिक और क्षेत्रीय नीतियों के तहत हरियाणा सरकार राज्य में महिलाओं के रोजगार को बढ़ावा देने के लिए हरियाणा की महिलाओं को रोजगार देने वाली इकाइयों को अतिरिक्त सब्सिडी प्रदान करेगी। इसके अलावा, राज्य की महिला उद्यमियों की व्यापक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए सार्वजनिक खरीद मानदंडों में छूट प्रदान करेगी। कार्यक्रम के दौरान, मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेशभर में 131 महिला सांस्कृतिक केन्द्रों का उद्घाटन किया।

सीआरपीएफ के 87वें स्थापना दिवस पर राजनेताओं ने सैनिकों के साहस को किया नमन

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) रविवार को अपना 87वां स्थापना दिवस मना रहा है। इस अवसर पर देश के तमाम नेताओं ने सीआरपीएफ के जवानों के साहस, समर्पण और बलिदान को नमन करते हुए उन्हें बधाई और शुभकानमाएं दी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी, आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल और पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. हर्षवर्धन सहित कई नेताओं ने सीआरपीएफ के योगदान की सराहना की और शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अपने एक्स पोस्ट में कहा कि सीआरपीएफ के सभी जवानों को स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। जवानों का निस्वार्थ बलिदान देश की सुरक्षा की रीढ़ रहा है। नक्सलवाद को समाप्त करने में उनकी अटूट वीरता प्रशंसनीय है। उन्होंने सीआरपीएफ के शहीदों को नमन करते हुए कहा कि उनकी वीरता की गाथा राष्ट्र को प्रेरित करती रहेगी। कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे ने कहा कि सीआरपीएफ के 87वें स्थापना दिवस पर हम सभी वीर जवानों को हार्दिक बधाई और गहरी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। यह बल एक गौरवशाली, जीवंत और लचीली शक्ति के रूप में देश की सुरक्षा में अपरिहार्य भूमिका निभाता है। खरगे ने शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि जवानों की अटल वीरता और समर्पण हर भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

कांग्रेस नेता लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अपने एक्स पोस्ट में कहा कि सीआरपीएफ के सभी जवानों को स्थापना दिवस पर हार्दिक बधाई। सीआरपीएफ ने हर चुनौती का सामना गरिमा, अनुशासन और अटूट कर्तव्यनिष्ठा के साथ किया है।

जवानों के बलिदान और सेवा को नमन करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी अदम्य भावना हर भारतीय को प्रेरित करती है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने अपने संदेश में सीआरपीएफ के जवानों की बहादुरी और बलिदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि स्थापना दिवस पर सीआरपीएफ के सभी वीर जवानों और महिला कर्मियों को नमन। उनकी वीरता, बलिदान और देश को सुरक्षित रखने की प्रतिबद्धता सभी के लिए प्रेरणादायी है। पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने भी सीआरपीएफ के जवानों और उनके परिवारों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ साहस, पराक्रम और बलिदान का पर्याय है। इस बल ने अनेक अवसरों पर राष्ट्र को गौरवान्वित किया है और समाज सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता भी अद्वितीय है।

डॉ. कलाम की पुण्यतिथि पर केन्द्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने दी उन्हें श्रद्धांजलि

एजेंसी

भुवनेश्वर। पूर्व राष्ट्रपति और मिसाइल मैन के नाम से प्रसिद्ध डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने उन्हें श्रद्धाजलि अर्पित की है। केन्द्रीय मंत्री ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, पूर्व राष्ट्रपति, मिसाइल मैन के नाम से विख्यात महान वैज्ञानिक भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि। डॉ. कलाम का संपूर्ण जीवन देशभक्ति, विनम्रता और वैज्ञानिक सोच का आदर्श उदाहरण रहा। उन्होंने अपने अथक परिश्रम से भारत को रक्षा, अंतरिक्ष और शिक्षा के क्षेत्र में नई दिशा दी। युवाओं के सपनों को संबल देने वाले 'पीपल्स प्रेसिडेंट' कलाम जी ने अपने विचारों, कर्म और आचरण से यह सिद्ध किया कि साधारण पृष्ठभूमि से भी असाधारण ऊंचाइयां प्राप्त की जा सकती हैं। उनकी सादगी, ईमानदारी और देशभक्ति आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरणा देती रहेगी।

नीतीश कुमार ने बिहार सफाई कर्मचारी आयोग के गठन की घोषणा की

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार सुबह बिहार में सफाई कर्मचारी आयोग के गठन की घोषणा की है। कल ही शनिवार सुबह उन्होंने पत्रकारों का पेंशन बढ़ाने का ऐलान किया था। नीतीश कुमार ने आज सुबह एक्स पोस्ट कर लिखा कि बिहार में सफाई कर्मचारियों के अधिकारों एवं हितों की सुरक्षा, कल्याण, पुनर्वास, सामाजिक उत्थान, शिकायतों के निवारण तथा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की निगरानी सुनिश्चित करने के लिए विभाग को बिहार राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के गठन का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि यह आयोग सफाई कर्मियों के हितों, उनके अधिकारों की सुरक्षा के संबंध में सरकार को सुझाव देगा तथा सफाई कार्यों में लगे लोगों से संबंधित कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा कर उसे लागू करवाने हेतु समुचित कार्यवाही करेगा। बिहार राज्य सफाई कर्मचारी आयोग में एक अध्यक्ष, एक उपाध्यक्ष एवं पांच सदस्य होंगे, जिनमें एक महिला/ट्रांसजेंडर होंगे।

नगर विकास कार्यों के शिलापट्ट पर अंकित होंगे स्थानीय जनप्रतिनिधियों के नामः सीएम योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अपने सरकारी आवास पर कानपुर मंडल के विधायकों के साथ बैठक की। इस बैठक में विकास परियोजनाओं की समीक्षा की गई और जनप्रतिनिधियों के जरिए जनता की जरूरतों व आकांक्षाओं पर चर्चा हुई। यह बैठक लोकतंत्र को मजबूत करने और जनता से सीधे जुड़ने का एक महत्वपूर्ण कदम थी। इस दौरान उन्होंने कहा कि नगर विकास कार्यों के शिलापट्ट पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों के नाम अंकित होंगे। मुख्यमंत्री योगी ने मंडलवार संवाद श्रृंखला के तहत कानपुर मंडल के छह जिलों (कानपुर नगर, कानपुर देहात, फर्रुखाबाद, कन्नौज, इटावा और औरैया) के जनप्रतिनिधियों से मुलाकात की। उन्होंने प्रत्येक सांसद और विधायक से सीधे बातचीत कर उनके क्षेत्रों की स्थिति, लोगों की अपेक्षाओं, विकास कार्यों की प्रगति और प्रशासनिक सहयोग पर विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के सतत और संतुलित विकास में कानपुर मंडल की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह मंडल राज्य की औद्योगिक और शैक्षिक रीढ़ के साथ-साथ सांस्कृतिक विविधता, ऐतिहासिक चेतना और जनप्रतिनिधियों की प्रतिबद्धता का भी केंद्र है। बैठक में लोक निर्माण विभाग द्वारा मंडल के छह जिलों में जनप्रतिनिधियों की ओर से प्रस्तावित कुल 1,362 निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा प्रस्तुत की गई, जिनकी अनुमानित लागत 10,914 करोड़ रुपए आंकी गई है। इन कार्यों में सड़कों, पुलों, फ्लाईओवरों, बाईपासों, कनेक्टिविटी, धार्मिक स्थलों के विकास, सुरक्षा और लॉजिस्टिक्स से जुड़े कई महत्वपूर्ण विकास कार्य प्रस्तावित हैं। सबसे ज्यादा योजनाएं कानपुर नगर में हैं, जहां 5,006 करोड़ रुपये की लागत से 426 परियोजनाएं शुरू होंगी। फर्रुखाबाद में 2,476 करोड़ रुपये से 308 कार्य, कानपुर देहात में 1,214 करोड़ रुपये से 336 कार्य, कन्नौज में 1,076 करोड़ रुपये से 98 कार्य, इटावा में 620 करोड़ रुपये से 128 कार्य और औरैया में 524 करोड़ रुपये से 66 विकास कार्य शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिया कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों से सलाह लेकर प्रस्तावित कार्यों की प्राथमिकता तय करें और समय पर काम शुरू करें। उन्होंने इन परियोजनाओं को सिर्फ सरकारी खर्च नहीं, बल्कि 'जनता के विश्वास की पूंजी' बताया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनप्रतिनिधियों की प्राथमिकता वाली योजनाओं को जल्द मंजूरी दें, पारदर्शी तरीके से लागू करें और निरंतर निगरानी के साथ समय पर पूरा करें। सीएम योगी ने नगर विकास विभाग को निर्देश दिया कि नगर विकास भिाग की ओर से कराए जा रहे विकास कार्यों से संबंधित शिलापट्ट पर स्थानीय जनप्रतिनिधि के नाम अंकित किए जाने चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनप्रतिनिधि जनता और शासन के बीच की सबसे भरोसेमंद कड़ी होते हैं। उनके विचार और सुझाव केवल संवाद का माध्यम नहीं हैं, बल्कि वे जन आकांक्षाओं का स्वरूप होते हैं, जिन्हें योजनाओं की संरचना और क्रियान्वयन में सक्रिय रूप से सम्मिलित किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों से कहा कि जनप्रतिनिधियों के अनुभव और सुझावों को सिर्फ कागजों तक सीमित न रखें, बल्कि उन्हें नीति बनाने का आधार बनाएं। उन्होंने कानपुर मंडल को 'विकास का अग्रदूत' बताते हुए भरोसा जताया कि यह मंडल आने वाले वर्षों में उत्तर प्रदेश और देश के लिए प्रेरणा का मॉडल बनेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मंडल की औद्योगिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक संपदा को आधुनिक विकास की दिशा में ले जाने के लिए पूरी तरह समर्पित है।

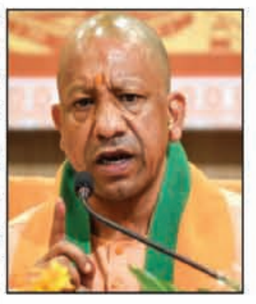

मनसा देवी मंदिर में भगदड़ से 6 श्रद्धालुओं की मौत

करंट की अफवाह से मचा था हड़कंप

एजेंसी

हरिद्वार। श्रद्धा की भीड़ में एक बार फिर मौत ने दस्तक दी। रविवार सुबह हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में भगदड़ मच गई। इस दर्दनाक हादसे में छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 15 से अधिक लोग घायल हुए हैं। हादसे के बाद मंदिर परिसर और आसपास के इलाकों में अफरा-तफरी मच गई। मंदिर की सीढ़ियों पर हुआ यह हादसा इतना भयावह था कि वहां चीख-पुकार और भगदड़ के दृश्य लंबे समय तक लोगों को दहशत में डालते रहे। बताया जा रहा है कि मंदिर के मुख्य मार्ग पर श्रद्धालुओं की अत्यधिक भीड़ जमा हो गई थी। सावन मास का रविवार होने के कारण हजारों की संख्या में श्रद्धालु मंदिर दर्शन के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान सीढ़ियों वाले मार्ग पर अचानक भगदड़ मच गई। शुरुआती जानकारी के अनुसार, कुछ लोगों ने खंभे में करंट उतरने की आशंका जताई, जिससे श्रद्धालुओं में अफरा-तफरी फैल गई और भगदड़ की स्थिति बन गई। गढ़वाल मंडल आयुक्त विनय शंकर पांडे ने हादसे की पुष्टि करते हुए समाचार एजेंसी हृद्ध से कहा कि भगदड़ में छह लोगों की जान गई है और वह खुद घटनास्थल के लिए रवाना हो चुके हैं। वहीं, गढ़वाल के डीसी विनय कुमार ने इस बात से इनकार किया है कि भगदड़ की वजह करंट था। उन्होंने स्पष्ट किया कि करंट फैलने की बात अफवाह हो सकती है, हालांकि हादसे के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, हादसे की सूचना सुबह 9 बजे कंट्रोल रूम को मिली। हरिद्वार के एसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल ने बताया कि मुख्य सीढ़ी मार्ग पर भगदड़ मचने की खबर के बाद पुलिस टीमें तत्काल मौके पर पहुंचीं। रेस्क्यू कर घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने अब तक छह लोगों की मौत की पुष्टि की है, जबकि कई अन्य गंभीर हालत में भर्ती हैं। कुल 35 से अधिक लोगों को अस्पताल लाया गया था। हादसे की एक अहम वजह करंट फैलने की अफवाह मानी जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मंदिर के पास लगे एक खंभे में शॉर्ट सर्किट हुआ था, जिससे करंट फैलने की आशंका बनी और लोगों में भगदड़ मच गई। हालांकि प्रशासन इस वजह को लेकर अब तक स्पष्ट नहीं है और जांच जारी है। प्रशासन ने यह जरूर माना है कि मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की अत्यधिक भीड़ थी और उस पर नियंत्रण नहीं रखा जा सका। हादसे के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शोक संदेश जारी करते हुए लिखा, हरिद्वार स्थित मनसा देवी मंदिर में भगदड़ मचने का अत्यंत दुखद समाचार प्राप्त हुआ है। स्थानीय पुलिस और अन्य बचाव दल की टीमें मौके पर राहत एवं बचाव कार्यों में जुटी हैं। मैं स्थानीय प्रशासन के निरंतर संपर्क में हूं और स्थिति पर निगरानी रखी जा रही है।

देश में अंतरिक्ष स्टार्टअप्स की संख्या में तेजी से बढ़ोत्तरीः मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि देश में अंतरिक्ष स्टार्टअप्स भी तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा कि पाँच साल पहले अंतरिक्ष के क्षेत्र में 50 से भी कम स्टार्टअप थे। आज उनकी संख्या 200 से ज्यादा हो गई है। पिछले कुछ हफ्तों में खेल, विज्ञान हो या संस्कृति, बहुत कुछ ऐसा हुआ है जिस पर हर भारतवासी को गर्व है।

प्रधानमंत्री ने कहा ÷ अभी हाल ही में शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष से वापसी को लेकर देश में बहुत चर्चा हुई। जैसे ही शुभांशु धरती पर सुरक्षित उतरे, लोग उछल पड़े, हर दिल में खुशी की लहर दौड़ गई। पूरा देश गर्व से भर गया। मुझे याद है, जब अगस्त 2023 में चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग हुई थी,तब देश में एक नया माहौल बना। विज्ञान को लेकर, अंतरिक्ष को लेकर बच्चों में एक नई जिज्ञासा भी जागी। अब छोटे-छोटे बच्चे कहते हैं कि हम भी अंतरिक्ष में जाएंगे, हम भी चाँद पर उतरेंगे। अंतरिक्ष विज्ञानी बनेंगे। श्री मोदी ने कहा कि आपने 'इंस्पायर-मानक' अभियान का नाम सुना होगा। यह बच्चों के नवाचार को बढ़ावा देने का अभियान है। इसमें हर स्कूल से पाँच बच्चे चुने जाते हैं। हर बच्चा एक नया आइडिया लेकर आता है। इससे अब तक लाखों बच्चे जुड़ चुके हैं और चंद्रयान-3 के बाद तो इनकी संख्या दोगुनी हो गई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 21वीं सदी के भारत में आज विज्ञान एक नयी ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा है। कुछ दिन पहले हमारे छात्रों ने अंतर्राष्ट्रीय रसायन विज्ञान ओलंपियाड में पदक जीते हैं। देवेश पंकज, संदीप कुची, देबदत्त प्रियदर्शी और उज्ज्वल केसरी, इन चारों ने भारत का नाम रोशन किया। गणित की दुनिया में भी भारत ने अपनी पहचान को और मजबूत किया है।ऑस्ट्रेलिया में हुए अंतर्राष्ट्रीय गणितीय ओलंपियाड में हमारे विद्यार्थियों ने ने 3 गोल्ड, 2 रजत और 1 कांस्य पदक हासिल किया है। उन्होंने कहा अगले महीने 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस है। आप इसे कैसे मनाएंगे कोई नया आइडिया है क्या मुझे नमो एप पर जरूर संदेश भेजिएगा।'

पाठ्यक्रम में 'ऑपरेशन सिंदूर' को शामिल करना सराहनीय, भारत के गौरवमयी इतिहास से जुड़ेंगे बच्चेः राजीव रंजन

एजेंसी

पटना। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) प्रवक्ता राजीव रंजन ने एनसीईआरटी के उस निर्णय की सराहना की है, जिसमें कक्षा 3 से 12 तक के छात्रों के पाठ्यक्रम में ऑपरेशन सिंदूर के इतिहास को शामिल किया गया है। उन्होंने इसे एक सराहनीय और प्रेरणादायक कदम बताया है। बातचीत के दौरान जदयू प्रवक्ता ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सशस्त्र बलों के साहस, रणनीति और तकनीकी समन्वय को दर्शाता है। यह अभियान, जिसने पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर करारा जवाब दिया, राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है।राजीव रंजन ने इस पहल को स्कूलों में देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देने वाला बताया, जो भावी पीढ़ियों को भारत के गौरवमयी इतिहास से जोड़ेगा।वहीं, बिहार राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के गठन की घोषणा को भी जदयू प्रवक्ता ने एक महत्वपूर्ण और प्रगतिशील कदम बताया। उन्होंने कहा कि इस आयोग में एक अध्यक्ष, एक उपाध्यक्ष और पांच सदस्य होंगे, जिनमें एक महिला या ट्रांसजेंडर को शामिल किया जाएगा, जो लैंगिक समानता को बढ़ावा देने वाला एक क्रांतिकारी कदम है। जदयू प्रवक्ता राजीव रंजन ने इसे ऐतिहासिक फैसला बताते हुए ट्रांसजेंडर समुदाय को शामिल करने को समानता से प्रेरित कदम के रूप में सराहा है। यह आयोग सफाई कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा, उनकी शिकायतों का समाधान, सामाजिक-आर्थिक उत्थान और कल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह पहल समाज के वंचित वर्गों को मुख्यधारा में जोड़ने और उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में एक ठोस प्रयास है। बता दें, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए बताया कि बिहार राज्य सफाई कर्मचारी आयोग में एक अध्यक्ष, एक उपाध्यक्ष एवं पांच सदस्य होंगे, जिनमें एक महिला और एक ट्रांसजेंडर होंगे। यह आयोग राज्य में सफाई कार्यों से जुड़े समाज के वंचित वर्ग के लोगों को मुख्य धारा में जोड़ने तथा उनके सामाजिक एवं आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मौजूदा दौर में युद्ध केवल बंदूकों और गोलियों से नहीं जीते जाते : राजनाथ सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि मौजूदा दौर में युद्ध केवल बंदूकों और गोलियों से नहीं जीते जाते, बल्कि विभिन्न रणनीतियों से जीते जाते हैं। ऑपरेशन 'सिंदूर' की सफलता के पीछे विभिन्न एजेंसियों की भूमिका के बारे में उन्होंने कहा कि इस दौरान रसद प्रबंधन करके हमारी सेनाओं को जुटाने से लेकर उनके प्रशिक्षण के साजो-सामान को समय और स्थान पर सलाह दी गई। रसदप्रबंधन को केवल सामान पहुंचाने की प्रक्रिया के रूप में नहीं, बल्कि इसे एक रणनीतिक महत्व के रूप में देखा जाना चाहिए। चाहे हम सीमा पर लड़ रहे सैनिकों की बात करें या आपदा प्रबंधन में जुटे कर्मियों की, अगर आपसी तालमेल नहीं होगा, अगर संसाधन का सही इस्तेमाल नहीं होगा, तो मजबूत से मजबूत इरादे भी कमजोर पड़ जाएंगे। रक्षा मंत्री वडोदरा (गुजरात) में गति शक्ति विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। रक्षा मंत्री ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में भारत में अभूतपूर्व बुनियादी ढांचे का विकास हुआ है। इस बदलाव की बुनियाद में एक समग्र और एकीकृत दृष्टिकोण के साथ महत्वपूर्ण नीतिगत सुधार और मिशन-मोड परियोजनाएं चल रही हैं। इसका प्रभाव केवल भौतिक कनेक्टिविटी तक सीमित नहीं है, बल्कि आर्थिक उत्पादकता में वृद्धि हुई है, लॉजिस्टिक लागत में कमी आई है और सेवा वितरण भी बेहतर हुआ है। पिछले 11 वर्षों में भारत ने इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के क्षेत्र में एक युगांतकारी परिवर्तन देखा है। पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान के तहत रेलवे, सड़क, बंदरगाह, जलमार्ग, हवाई अड्डे, जन परिवहन और लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे विकास के सात शक्तिशाली स्तंभ समूह भारत की अर्थव्यवस्था को एक मजबूत नींव दे रहे हैं। उन्होंने यह गति शक्ति विश्वविद्यालय के बारे में कहा कि यह सिर्फ एक शैक्षणिक संस्थान नहीं, बल्कि यह अपने आप में एक विचार है, एक गति है, एक मिशन है। यह भारत को तेज, संगठित और समन्वित रूप से आगे बढ़ाने की राष्ट्रीय आकांक्षा को मूर्त रूप दे रहा है। यह विश्वविद्यालय अपने नाम की तरह ही 'गति' और 'शक्ति' दोनों का सजीव उदाहरण है। आज देश में यदि कोई उत्पाद उत्तर पूर्व में तैयार होता है और वह समय पर दिल्ली या मुंबई के बाजार तक पहुंचता है, तो यह रसद प्रणाली की दक्षता का ही प्रमाण है। यह संस्थान शुद्ध रूप से व्यावहारिक ज्ञान पर जोर देता है। यहां केवल किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि वास्तविक समस्याओं के समाधान सिखाए जाते हैं।

मनसा देवी हादसे पर राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने शोक व्यक्त किया

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज उत्तराखंड के हरिद्वार में मनसा देवी मंदिर के रास्ते पर हुई भगदड़ में जन क्षति पर शोक व्यक्त किया। हरिद्वार स्थित मनसा देवी मंदिर के रास्ते में मची भगदड़ में छह लोगों के मरने की पुष्टि हुई है।

राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर के मार्ग में भगदड़ की दुर्घटना में अनेक श्रद्धालुओं की मृत्यु का समाचार बहुत पीड़ादायक है। मैं सभी शोक संतप्त परिवारजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं। मैं प्रार्थना करती हूं कि घायल हुए सभी श्रद्धालु शीघ्र स्वस्थ हों। प्रधानमंत्री ने पोस्ट में लिखा, हरिद्वार में मंसा देवी मंदिर के रास्ते पर हुई भगदड़ से हुई जनहानि से गहरा दुख हुआ। उन सभी के प्रति मेरी संवेदनाएँ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। प्रधान मंत्री ने घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की और उल्लेख किया कि स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों की मदद कर रहा है।

'उपाधि देने से कोई अंबेडकर नहीं बन सकता', राहुल गांधी पर गजेंद्र सिंह शेखावत का जवाब

एजेंसी

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राहुल गांधी पर जबरदस्त प्रहार किया है। कांग्रेस नेता उदित राज ने एक बयान दिया कि 'राहुल गांधी दूसरा अंबेडकर साबित होंगे।' इस पर गजेंद्र सिंह शेखावत ने पलटवार करते हुए कहा कि सिर्फ उपाधि देने से कोई अंबेडकर नहीं बन सकता है। राहुल गांधी को 'अंबेडकर' की उपाधि देने पर प्रतिक्रिया देते हुए गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा, उनकी पार्टी उन्हें जो भी उपाधि दे, कोई नहीं रोक सकता है। लेकिन बाबासाहेब अंबेडकर बनने के लिए कठोर तपस्या, गहरी सोच, अध्ययन और खुले विचारों की जरूरत होती है। सिर्फ उपाधि देने से कोई अंबेडकर नहीं बन सकता। गजेंद्र सिंह शेखावत रविवार को जोधपुर पहुंचे। एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने झालावाड़ में स्कूल भवन गिरने से हुई दुखद घटना पर शोक व्यक्त किया और कहा कि जांच पूरी होने के बाद निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा, सरकार की प्राथमिकता है कि ऐसा हादसा भविष्य में दोबारा न हो। इसके लिए सभी सरकारी विद्यालयों और सार्वजनिक भवनों का आकलन (ऑडिट) किया जाएगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में इस संबंध में निर्देश भी दिए जा चुके हैं। शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा, ÷इस्तीफा देना या मांगना राजनीतिक प्रेरित बयान होते हैं। जो कुछ हुआ, वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था और टाला जा सकता था। अब हमें इससे सबक लेने की जरूरत है। इस दौरान नीतीश कुमार सरकार को लेकर चिराग पासवान की हालिया टिप्पणी पर भी गजेंद्र सिंह शेखावत ने जवाब दिया। शेखावत ने कहा, ÷ऐसे विषयों पर फौरी टिप्पणी करना आवश्यक नहीं है। एनडीए के सभी घटक दल एकजुट हैं और बिहार चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनेगी बिहार की आपराधिक घटनाओं पर चिराग पासवान ने कहा था, मुझे शर्म है ऐसी सरकार को समर्थन देने में, जहां अपराध बेलगाम हो चुका है।बिहार में युवती से एंबुलेंस में दुष्कर्म की घटना पर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव द्वारा दिए गए बयान कि अपराध इतना बढ़ गया है कि अपराधी सम्राट बन गया है, इस पर गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा, अपराध की कोई सीमा नहीं होती, यह सवाल उन्हीं से पूछा जाना चाहिए।

एसएससी परीक्षा रद्द होना प्रशासनिक भ्रष्टाचार का नतीजा- राहुल गांधी

एजेंसी
नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने देश में कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) की चयन पोस्ट फेज-13 परीक्षा को पहले ही दिन तकनीकी खराबी के कारण कई केंद्रों पर रद्द करने को सरकार और सिस्टम की नाकामी बताया है। उन्होंने कहा कि यह प्रशासनिक भ्रष्टाचार और परीक्षा माफिया के गठजोड़ का नतीजा है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पोस्ट में बिहार में अभ्यर्थियों के 400 से 500 किलोमीटर दूर जाकर परीक्षा देने का जिक्र करते हुए कहा कि सिस्टम की लापरवाही से इतनी दूर से परीक्षा देने आए लोगों और उनके परिवार का समय और मेहनत बर्बाद हो रही है। उन्होंने पिछले 10 सालों में नीट, यूजीसी नेट, यूपीएससी, बीपीएससी और बोर्ड परीक्षाओं में खुलेआम धांधली का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल की धांधली में 85 लाख बच्चे प्रभावित हुए हैं। इन धांधलियों को सरकार रोकने में पूरी तरह से नाकाम रही है। भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता और सुधार के उसके बड़े-बड़े वादे खोखले साबित हुए हैं।

सांसद अनुराग ठाकुर ने मां भारती का प्रचंड जयघोष करके जगाई देश भक्ति

नई दिल्ली। पाकिस्तान के खिलाफ 1999 में दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र कारगिल में लड़ी गई लड़ाई का विजय दिवस शनिवार को राजधानी के डॉ. आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में भी मनाया गया। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने सेना की वर्दी में रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत करके राष्ट्र भक्ति का जोश भर दिया। मुख्य अतिथि सांसद अनुराग ठाकुर ने मां भारती का प्रचंड जयघोष करके देश भक्ति जगाने का कार्य किया। विशिष्ट अतिथि लेफ्टिनेंट जनरल विनोद खंडारे ने युवा छात्रों को राष्ट्र के लिए योगदान देने की उनकी क्षमता के बारे में बताया। देशभर में आज 26वां कारगिल विजय दिवस मनाया गया, क्योंकि भारत 1999 में ऑपरेशन विजय के दौरान अपने सशस्त्र बलों के अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित करता है। उनके अटूट संकल्प ने निर्णायक विजय दिलाई और राष्ट्रीय संप्रभुता को अक्षुण्ण रखा। इसी मौके पर डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र (डीएआईसी) में कर्नल आकाश पाटिल की देखरेख में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कारगिल में भारतीय सेना की विजय, देश की विरासत हैप्पी टैगलाइन के तहत स्कूली बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किया। सेना की वर्दी में बच्चों ने देशभक्ति का जोश भरा। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर से सांसद एवं कोयला, खान और इस्पात संबंधी संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष अनुराग ठाकुर बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उन्होंने कहा कि कारगिल विजय दिवस हमारे वीर जवानों की अदम्य साहस और शौर्य की गौरव गाथा है। आज का दिन 1999 का वह दिन याद दिलाता है, जब पाकिस्तानी सेना नापाक इरादे लेकर भारतीय सीमा में दाखिल हुई थी।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश बोले- घोषणाओं पर अमल नहीं

नई दिल्ली। कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (पीएमआईएस) पर कहा कि इस योजना के लिए आवंटित फंड का उपयोग लगातार घट रहा है। घोषणाओं पर अमल नहीं हो रहा है और जो इंटर्नशिप पूरी हुई हैं, उनकी संख्या बेहद कम है। यह योजना कांग्रेस की 2024 लोकसभा चुनाव की गारंटी पहली नौकरी पक्की से प्रेरित है, लेकिन इसे एक ऐसी सरकार चला रही है जिसमें प्रशासनिक कौशल का भारी अभाव है। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि योजना के दूसरे चरण में 1.18 लाख इंटर्नशिप अवसर घोषित किए गए, लेकिन केवल 71,458 ऑफर ही दिए गए, जो पहले चरण की तुलना में 13 फीसदी कम है। चिंता की बात यह है कि इनमें से सिर्फ 22,584 ऑफर ही उम्मीदवारों द्वारा स्वीकार किए गए, जबकि पहले चरण में यह संख्या 28,000 थी। पहले चरण में ऑफर स्वीकारने वाले छात्रों में से भी केवल 8,725 छात्रों ने ही वास्तव में इंटर्नशिप शुरू की, जो कुल का केवल 7 फीसदी है। रमेश ने कहा कि इस चरण में कितने छात्रों ने इंटर्नशिप जॉइन की, इसकी कोई सार्वजनिक जानकारी अब तक उपलब्ध नहीं कराई गई है। इस योजना के लिए आवंटित फंड का उपयोग लगातार घट रहा है और जो इंटर्नशिप पूरी हुई हैं, उनकी संख्या बेहद कम है, जबकि सरकार ने अगले पांच वर्षों में 1 करोड़ इंटर्नशिप का लक्ष्य रखा है।

एक करोड़ की रंगदारी मांगने वाला आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम दिल्ली जिला पुलिस ने एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने वाले एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित खुद को कुख्यात गैंगस्टर नवीन बाली बताकर व्यापारियों को धमका रहा था। पुलिस की संयुक्त टीम स्पेशल स्टाफ और थाना आदर्श नगर ने आरोपित को हरियाणा के सोनीपत से गिरफ्तार किया। उत्तर पश्चिमी जिले के डीसीपी भीष्म सिंह के अनुसार पकड़े गए आरोपित की पहचान सोनीपत निवासी संजय (50) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपित के पास से एक लिखी हुई पर्ची बरामद हुई है जिसमें एक व्यापारी का मोबाइल नंबर लिखा हुआ था। डीसीपी के अनुसार शिकायतकर्ता ने 24 जुलाई को थाना आदर्श नगर में शिकायत दी कि उसे 3 जुलाई को एक अज्ञात नंबर से कॉल आया था। कॉल करने वाले ने खुद को गैंगस्टर नवीन बाली बताया और एक करोड़ की रंगदारी मांगी।

दुनिया में पीएम मोदी का फिर से बजा डंका, सबसे लोकप्रिय नेता के तौर पर बरकरार

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर वैश्विक मंच पर अपनी लोकप्रियता का परचम लहराया है। बिजनेस इंटेलिजेंस और डेटा एनालिटिक्स कंपनी मॉर्निंग कंसल्ट के जुलाई के एक सर्वे रिपोर्ट के अनुसार, पीएम मोदी को 75 प्रतिशत लोगों की 'अप्रूवल रेटिंग' प्राप्त हुई है, जो उन्हें दुनिया के अन्य सभी नेताओं से आगे खड़ा करती है। यह सर्वेक्षण दुनिया के प्रमुख 20 नेताओं की लोकप्रियता पर आधारित है, जिसमें भारत के प्रधानमंत्री ने अमेरिका, जर्मनी, इटली, ब्राजील और नीदरलैंड्स जैसे देशों के नेताओं को भी पीछे छोड़ दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, पीएम मोदी को जहां 75 प्रतिशत जनता का समर्थन मिला, वहीं सिर्फ 18 प्रतिशत लोगों ने उनके कार्यों को लेकर असहमति जताई और 7 प्रतिशत लोगों ने कोई राय नहीं दी। यह आंकड़ा पीएम मोदी को

उनके समकक्षों में सबसे ऊपर रखता है। पीएम मोदी के बाद दूसरे स्थान पर दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-मयोंग (59 प्रतिशत) और तीसरे नंबर पर अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिली (57 प्रतिशत) हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी (56 प्रतिशत) और ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी अल्बानीज (54 प्रतिशत) भी शीर्ष पांच में शामिल हैं।

वहीं, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को केवल 44 प्रतिशत अप्रूवल रेटिंग मिली है और 50 प्रतिशत लोगों ने उनसे असहमति जताई। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और दक्षिण अफ्रीका के सिरिल रामाफोसा को 54 प्रतिशत नकारात्मक राय झेलनी पड़ी।

स्विट्जरलैंड, पोलैंड, और बेल्जियम जैसे देशों में नेताओं की लोकप्रियता का स्तर 50 प्रतिशत से नीचे रहा। सबसे निचले पायदान पर ब्राजील के लूला दा सिल्वा और नॉर्वे के जोनास गाहर स्टोरे रहे, जिन्हें 60 प्रतिशत लोगों ने अस्वीकार किया।

विशेषज्ञों का मानना है कि पीएम मोदी की अंतरराष्ट्रीय छवि, मजबूत नेतृत्व और घरेलू नीतियों में निर्णायक फैसले उन्हें दुनिया के नेताओं में अलग पहचान देते हैं। ये आंकड़े वैश्विक राजनीति में भारत की बढ़ती साख और पीएम मोदी के नेतृत्व की प्रभावशीलता को दर्शाते हैं।

भारत की कंबोडिया-थाईलैंड सैन्य संघर्ष पर करीबी नजर, नागरिकों को दूतावास से संपर्क की सलाह

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत कंबोडिया और थाईलैंड के बीच में जारी सैन्य संघर्ष पर करीबी नजर बनाए हुए हैं। विदेश मंत्रालय ने इन देशों की यात्रा पर गए भारतीयों को किसी भी सहायता के लिए संबंधित दूतावासों से संपर्क करने का सुझाव दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक बयान में कहा कि भारत के दोनों देशों से करीबी और मित्रता पूर्ण संबंध है। हम आशा करते हैं कि दोनों पक्ष आपसी शत्रुता समाप्त करने के लिए उचित कदम उठाएंगे ताकि संघर्ष और अधिक न बढ़े। विदेश मंत्रालय ने संबंधित दूतावासों के फोन नंबर भी जारी किए हैं जो इस प्रकार हैं- बैंकॉक, थाईलैंड में भारतीय दूतावास- हेल्पलाइनः +66 61 881 9218 (व्हाट्सएप कॉल के लिए भी)।

नोम पेन्ह, कंबोडिया में भारतीय दूतावास- हेल्पलाइनः +855 92 881 676 (व्हाट्सएप कॉल के लिए भी)। उल्लेखनीय है कि थाईलैंड और

कंबोडिया के बीच सीमा विवाद के चलते हाल के दिनों में सैन्य संघर्ष तेज हो गया है। दोनों पक्षों की ओर से की गयी सैन्य कार्रवाई में सैनिकों और नागरिकों की जान गयी है। हालात को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने संयम बरतने और बातचीत से समाधान निकालने की अपील की है।

सुप्रीम कोर्ट पहुंची दिल्ली सरकार, पुराने वाहनों पर रोक के आदेश पर पुनर्विचार की मांग

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाकर दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में चल रहे 10 साल से अधिक पुराने डीजल वाहनों और 15 साल से अधिक पुराने पेट्रोल वाहनों पर लगे प्रतिबंध की समीक्षा करने की मांग की। दिल्ली सरकार का तर्क है कि मौजूदा पॉलिसी से मध्यम वर्ग पर अनुचित दबाव पड़ रहा है। रेखा गुप्ता सरकार ने 2018 के उस नियम पर पुनर्विचार करने की मांग की है जिसमें पुरानी गाड़ियों पर प्रतिबंध है। सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया गया है कि वह केंद्र सरकार या वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) को एक व्यापक वैज्ञानिक अध्ययन करने का निर्देश दे। यह अध्ययन वाहनों की उम्र के आधार पर लगाए गए प्रतिबंध के वास्तविक पर्यावरणीय प्रभाव का आकलन करेगा और मूल्यांकन करेगा कि क्या यह कदम राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु गुणवत्ता सुधार में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

याचिका में इस बात पर जोर दिया गया है कि सभी वाहनों पर पूर्ण

प्रतिबंध को लेकर पड़ने वाले असर और निष्पक्षता की दोबारा जांच की जाए। सरकार एक अधिक सटीक, उत्सर्जन-आधारित नियामक ढांचे की वकालत करती है, जो वाहन की उम्र के बजाय उससे होने वाले वायु प्रदूषण और गाड़ी की फिटनेस को ध्यान में रखे। मौजूदा नियम सभी वाहनों के लिए एकसमान अनुपालन की मांग करता है, चाहे वे बहुत प्रदूषण फैलाने वाले हों या अच्छी तरह से रखरखाव किए गए, कम उपयोग वाले वाहन हों। यह क्षेत्र में प्रदूषण के स्तर को प्रभावी ढंग से कम करने के व्यापक लक्ष्य के साथ मेल नहीं खाता। दिल्ली सरकार ने बताया कि बीएस-6 वाहन, जो स्वच्छ उत्सर्जन मानक के तहत लाए गए हैं, बीएस-4 वाहनों की तुलना में काफी कम प्रदूषण फैलाते हैं। सरकार ने तर्क दिया कि वर्तमान में प्रतिबंध से प्रभावित कई वाहन अच्छी तरह से रखरखाव किए हुए हैं और जरूरी मानदंडों का पालन करते हैं। विभिन्न अध्ययनों का हवाला देते हुए सरकार ने कहा है कि कम इस्तेमाल होने वाली पुरानी गाड़ियों से प्रदूषण बहुत कम होता है। यह प्रतिबंध मध्यम वर्ग के लोगों पर अनावश्यक बोझ डाल रहा है, जो इन गाड़ियों का इस्तेमाल सीमित लेकिन जरूरत के अनुसार करते हैं। सरकार चाहती है कि प्रदूषण नियंत्रण के लिए अधिक वैज्ञानिक और निष्पक्ष उपाय किए जाएं।

सामाजिक संस्थाएं समाज की रीढ़ की तरह कार्य करती हैं : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उत्तरी दिल्ली के बुराड़ी इलाके में 201 कामकाजी महिलाओं से बातचीत की, जिन्हें अपने व्यवसायों को मज़बूत करने और आजीविका में सुधार लाने के लिए ब्याज मुक्त ऋण मिले। मुख्यमंत्री ने कहा, महिला कल्याण हमारे एजेंडे में सबसे ऊपर है। हम विभिन्न योजनाओं के माध्यम से कामकाजी महिलाओं के आर्थिक उत्थान को सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में अमूल्य योगदान देते हुए जीवन को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सामाजिक संगठनों की भी प्रशंसा की। बुराड़ी कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का भव्य स्वागत किया गया और एक बयान में कहा गया कि बुराड़ी बाईपास से स्वरूप नगर तक के मार्ग को सजावट से सजाया गया था। उनके पहुँचते ही स्थानीय निवासियों ने उन पर फूल बरसाए और सरकार के समर्थन में नारे लगाए। इस कार्यक्रम में सांसद मनोज तिवारी, विधायक अजय महावर और राजकुमार भाटिया, महापौर राजा इकबाल सिंह और नगर निगम में सदन के नेता प्रवेश वाही उपस्थित थे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य दयानंद, रवि बंसल और किरण चोपड़ा जैसे प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता और सामुदायिक नेता भी उपस्थित थे। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने पीतमपुरा के टीपी, वीपी, एलपी और एचडी ब्लॉक में 60 लाख रुपये की लागत से निर्मित नई सीवर लाइनों का उद्घाटन किया। उन्होंने एसपी-1 और एसपी-65 के बीच 11 लाख रुपये के बजट से विकसित एक नवनिर्मित सड़क का भी उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री गुप्ता ने कहा कि एसपी और टीपी ब्लॉक में अन्य गलियों को जोड़ने के लिए 91 लाख रुपये के टेंडर पहले से ही प्रक्रिया में हैं। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि निवासियों के दीर्घकालिक लाभ सुनिश्चित करने के लिए ये कार्य योजनाबद्ध तरीके से किए जा रहे हैं। उन्होंने वीपी और एफपी ब्लॉक में 54 लाख रुपये की लागत वाली इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) पाइपलाइन परियोजना और जेपी और केपी ब्लॉक में 35 लाख रुपये की लागत वाली नई आरएमसी सड़कों का भी उद्घाटन किया। जेपी ब्लॉक में बच्चों के लिए 6 लाख रुपये की लागत से विकसित एक विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया खेल का मैदान भी खोला गया। इसके अलावा, जेपी, केपी, एमपी और एलपी ब्लॉक में 1.35 करोड़ रुपये की लागत से आरएमसी सड़कें बनाई जा रही हैं, जबकि जेडी ब्लॉक में 2 लाख रुपये की लागत से एक हाई-मास्ट लाइट लगाई गई है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में बेहतर प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए 15 नए आरोग्य मंदिर खोलने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि मैक्स अस्पताल के पास लंबे समय से खाली पड़ी इमारत को जल्द ही एक आधुनिक सुपर-स्पेशलिटी अस्पताल में बदल दिया जाएगा।

राहुल गांधी देश के अच्छे नागरिक बनें : राजीव चंद्रशेखर

एजेंसी
नई दिल्ली। कांग्रेस नेता उदित राज ने राहुल गांधी को ओबीसी समुदाय के लिए दूसरा अंबेडकर बताया है, जिस पर केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने चुटकी लेते हुए कहा कि पहले राहुल गांधी देश के अच्छे नागरिक बनें, लोगों की सेवा करें, उनके हितों के बारे में सोचें, इसके बाद देश की जनता खुद तय कर लेगी कि उन्हें क्या बनाना है।

केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि अब यह इंदिरा गांधी का भारत नहीं है, जहां ये लोग हर चीज अपने अनुरूप ढालने की कोशिश करते थे। कल तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने भी इंदिरा गांधी के संदर्भ में कहा था कि वो देवी थीं, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। एक लोकतांत्रिक देश में जनता तय करती है कि मैं कैसा नेता हूं या कोई दूसरा कैसा नेता है। किसी तीसरे व्यक्ति को इस पर टिप्पणी करने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि अपने किसी नेता की ओर से कुछ बुलवा लेना कि मैं ये हूं, तो मैं वो हूं। ऐसा नहीं होता

है। शायद ये लोग भूल रहे हैं कि एक लोकतांत्रिक देश में ऐसा संभव नहीं है। एक लोकतांत्रिक देश में जनता तय करती है कि किस नेता को क्या उपाधि देनी है। केंद्रीय मंत्री ने वैश्विक मंच पर बढ़ती प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता पर भी टिप्पणी की और कहा कि निसंदेह इस बात को खारिज नहीं किया जा सकता है कि आज की तारीख में वैश्विक मंच पर पीएम मोदी की लोकप्रियता बढ़ रही है। हर कोई उन्हें सुनने के लिए आतुर है। जब वे कहते हैं कि यह समय युद्ध का नहीं है, तो सभी लोग उनकी बातों को गंभीरता से लेते हैं और उनकी बातों को सुनते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी देश में ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में सबसे लोकप्रिय नेता के रूप में उभरकर सामने आए हैं। वे आज लोगों के लिए प्रेरणास्रोत हैं जिन्हें आज हर कोई सुनना चाहता है। विदेश में भी प्रधानमंत्री को लोग सुनना चाहते हैं। इसके अलावा, उन्होंने 'कारगिल विजय दिवस' पर कहा कि आज का दिन हमारे लिए बहुत अहम है, क्योंकि आज से 26 साल पहले आज ही के दिन भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सैनिकों को धूल चटाते हुए जीत हासिल की थी। भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सेना के नापाक इरादों को नाकाम कर जीत का परचम लहराया था।उन्होंने कहा कि आज के दिन में हर साल मैं नेशनल वॉर मेमोरियल पर आकर वीरगति को प्राप्त हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं, उन्हें सम्मान देता हूं। हमें यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि हमारे देश की सुरक्षा के लिए सैनिकों ने अपने प्राणों न्योछावर किए। बता दें कि कांग्रेस नेता उदित राज ने राहुल गांधी की तुलना बाबासाहेब अंबेडकर से की थी। उन्होंने कहा था कि अगर ओबीसी समुदाय राहुल के विचारों का समर्थन करे, तो वे उनके लिए 'दूसरे अंबेडकर' साबित होंगे।

मनोज तिवारी ने भिखारी ठाकुर को भारत रत्न देने की मांग की

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद मनोज तिवारी ने गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर भोजपुरी गायक भिखारी ठाकुर को भारत रत्न दिए जाने की मांग की है। सांसद तिवारी ने अपने पत्र में कहा है कि भिखारी ठाकुर ने भोजपुरी समाज की पीड़ा, बाल विवाह, विस्थापन, नारी सम्मान, जातिगत भेदभाव और सामाजिक कुरीतियों को अपनी लेखनी, संगीत और रंगमंच के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। उन्होंने न केवल भोजपुरी भाषा को सांस्कृतिक पहचान दी, बल्कि उसे जनचेतना का सशक्त माध्यम भी बनाया।उनकी कालजयी रचनाएं जैसे बिदेसिया, बेटी बेचवा, गबर घिचोर- आज भी समाज में वैचारिक चेतना उत्पन्न करती हैं। वे केवल एक कलाकार नहीं, बल्कि एक युगपुरुष

थे जिन्होंने लोककलाओं को जनांदोलन का रूप दिया। ऐसे विरले व्यक्तित्व को भारत रत्न से सम्मानित करना न केवल भोजपुरी समाज, बल्कि संपूर्ण भारतीय लोकसंस्कृति के लिए गर्व की बात होगी। यह सम्मान देश की विविधता में एकता को भी बल देगा।

सिनेमाघरों के लाइसेंस की जिम्मेदारी राजस्व विभाग को सौंपी गई, उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने लिया बड़ा फैसला

एजेंसी
नई दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में व्यापार को आसान और पारदर्शी बनाने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाते हुए उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने एक महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। इस आदेश के तहत अब सिनेमा हॉल और थिएटरों को लाइसेंस देने की जिम्मेदारी दिल्ली पुलिस से हटाकर दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग को सौंप दी गई है। यह कदम 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को बढ़ावा देने और लाइसेंस प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से उठाया गया है। उपराज्यपाल द्वारा लिए गए इस निर्णय के अनुसार, अब सिनेमा हॉल के लिए लाइसेंस देने की जिम्मेदारी जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) या जिला उपायुक्त (डीसी) की अध्यक्षता में गठित एक समिति को दी जाएगी। यह समिति सिनेमैटोग्राफ अधिनियम, 1952 के अंतर्गत लाइसेंस देने के लिए आवश्यक अनुशंसाएं तैयार करेगी। इस समिति में संबंधित नगर निगम जोन के उपायुक्त, लोक निर्माण विभाग द्वारा नामित संरचनात्मक इंजीनियर, दिल्ली अग्निशमन सेवा द्वारा नामित अग्निसुरक्षा विशेषज्ञ, बिजली विभाग द्वारा नामित विद्युत विशेषज्ञ और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के

प्रतिनिधि शामिल होंगे। इस कदम से पहले, उपराज्यपाल ने ताजा फैसले में सात तरह के व्यवसायों- स्विमिंग पूल, रेस्टोरेंट, होटल, गेस्ट हाउस, डिस्कोथेक, वीडियो गेम पार्लर, मनोरंजन पार्क और ऑडिटोरियम के लाइसेंस जारी करने की शक्तियां भी दिल्ली पुलिस से हटाकर अन्य विभागों को सौंपी थीं। उपराज्यपाल का मानना है कि दिल्ली में व्यापारिक माहौल को प्रोत्साहित करने के लिए लाइसेंसिंग प्रक्रिया से अनावश्यक जटिलताओं और लाल फीताशाही को हटाना अत्यंत आवश्यक है। आदेश में यह स्पष्ट किया गया है कि भारत सरकार 'मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस' की अवधारणा को साकार करने के लिए लाइसेंसिंग प्रक्रियाओं को सरल बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। इसी क्रम में दिल्ली पुलिस द्वारा सिनेमैटोग्राफ अधिनियम, 1952 और दिल्ली पुलिस अधिनियम, 1978 की धारा 146 के तहत जो लाइसेंस अब तक जारी किए जा रहे थे, वे 9 जनवरी 2015 को जारी अधिसूचना के विरुद्ध हैं। उस अधिसूचना में यह अधिकार राजस्व विभाग को सौंप दिया गया था। आदेश में यह भी उल्लेख किया गया है कि वर्तमान में एक ही कानून के अंतर्गत अनेक प्राधिकरणों द्वारा समान शक्तियों का उपयोग किया जाना 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' के उद्देश्य में बाधा उत्पन्न कर रहा है और इससे अनुपालन बोझ बढ़ रहा है।

तेजस्वी बताएं चुनाव लड़ेंगे या नहीं - शाहनवाज हुसैन

एजेंसी
नई दिल्ली। भाजपा प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने तेजस्वी से स्पष्ट करने को कहा कि वह चुनाव लड़ेंगे या नहीं। भाजपा प्रवक्ता ने दावा किया कि बिहार की जनता ने एक बार फिर एनडीए सरकार को सत्ता में लाने का मन बना लिया है। बातचीत के दौरान भाजपा प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के पहले चरण के सफल समापन पर चुनाव आयोग की तारीफ की और विपक्ष, खासकर राजद और तेजस्वी यादव पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर भ्रम फैलाने की कोशिश की, लेकिन बिहार की जनता ने इसे नजरअंदाज कर दिया।उन्होंने तर्क देते हुए कहा कि नीतीश सरकार की उपलब्धियों का जिक्र किया, जिसमें पिछले 20 वर्षों में बिहार की प्रगति, मुफ्त बिजली योजना, पेंशन को 400 रुपये से बढ़ाकर 1100 रुपये करना, और पत्रकारों की पेंशन में वृद्धि शामिल है। उन्होंने विपक्ष के एसआईआर पर भ्रम फैलाने के प्रयास को असफल बताया। लालू यादव की ओर से तेजस्वी यादव की तारीफ करने पर उन्होंने इसे 'पिता का

पुत्र के प्रति मोह' बताया है। हुसैन ने कहा कि तेजस्वी यादव कैसा पसीना छुड़वाते हैं। लोकसभा में 40 में से 40 सीट क्यों नहीं जीत लेते? लोकसभा में हारे, विधानसभा में भी हारेंगे। लालू यादव अपने पुत्र के मोह में बोल रहे हैं, इससे ज्यादा क्या करेंगे? कारगिल विजय दिवस पर उन्होंने कहा कि आज भी उस पल को याद करके रोंगटे खड़े हो जाते हैं। यह भारत की सैन्य ताकत है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी हमारी सेना ने पाकिस्तान को महज 22 मिनट में पाकिस्तान को घुटने पर ला दिया।

भारत में स्वास्थ्य की दिशा में बड़ा कदम, 10 करोड़ से ज्यादा महिलाओं की हुईं सर्वाइकल कैंसर जांच

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत में सर्वाइकल कैंसर और इससे होने वाली मौतों को रोकने के लिए सरकार लगातार कोशिश कर रही है। सरकार ने संसद के मानसून सत्र के दौरान जानकारी दी कि भारत में गर्भाशय ग्रीवा कैंसर यानी सर्वाइकल कैंसर और इससे होने वाली मौतों को रोकने के लिए अब तक देशभर में 30 साल या उससे अधिक उम्र की 10.18 करोड़ से ज्यादा महिलाओं की जांच की जा चुकी है। यह जांच आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (एएएम) में की गई, जो सरकार की ओर से शुरू किए गए स्वास्थ्य केंद्र हैं।

बता दें कि दुनिया भर में सर्वाइकल कैंसर से होने वाली मौतों में से 25 प्रतिशत भारत में होती हैं; इसका मुख्य कारण जानकारी देर से मिलना और फिर इलाज भी देर से शुरू होना है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा, 20 जुलाई तक, नेशनल एनसीडी पोर्टल के आंकड़ों से पता चलता है कि भारत में 30 साल या उससे ज्यादा उम्र की कुल 25.42 करोड़ महिलाएं ऐसी हैं जिन्हें कैंसर की जांच की जरूरत है। अब तक 10.18 करोड़ महिलाओं की जांच हो चुकी है। उन्होंने आगे कहा, ये आंकड़े दिखाते हैं कि सरकार आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के जरिए

लोगों को बीमारी से पहले ही बचाने और जांच करने की सुविधा दे रही है। यह उपलब्धि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत एक बड़े कार्यक्रम का हिस्सा है, जो पूरे देश की आबादी के लिए चलाया जा रहा है। इसका मकसद जांच करना, बीमारी को रोकना और इलाज करना है। जाधव ने लोकसभा में बताया, यह योजना 30 से 65 साल की महिलाओं को ध्यान में रखकर बनाई गई है। इन महिलाओं की सर्वाइकल कैंसर की जांच वीआईए (विजुअल इंस्पेक्शन विद एसिटिक एसिड) नाम की एक आसान और सस्ती जांच विधि से की जाती है। यह जांच आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के तहत बने सब-हेल्थ सेंटर और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में की जाती है। अगर किसी महिला की रिपोर्ट वीआईए पॉजिटिव आती है, तो उसे बड़े अस्पतालों में भेजा जाता है, जहां उसकी आगे की जांच और इलाज होता है। सरकार ने गांव और छोटे इलाकों में सर्वाइवल कैंसर को रोकने के लिए आशा कार्यकर्ताओं को भी जोड़ा है, जो घर-घर जाकर महिलाओं की जांच के लिए उन्हें जागरूक करती हैं और जांच कराने में मदद करती हैं, ताकि बीमारी समय पर पकड़ी जा सके और रोकी जा सके।

मुनक नहर के किनारे विकसित होगा नया रिवरफ्रंट : मुख्यमंत्री

एजेंसी
नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र स्थित पीतमपुरा में विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन व निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि शालीमार बाग विधानसभा स्थित मुनक नहर के ऊपर जल्द ही एलिवेटेड कॉरिडोर बनना शुरू हो जाएगा। इसके पूरा होने के बाद इलाके के लोगों को ट्रैफिक जाम से मुक्ति मिल जाएगी। उन्होंने कहा कि मुनक नगर के किनारे नया रिवर फ्रंट भी विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने इस दौरान पीतमपुरा के अलग-अलग ब्लॉक में नई सीवर लाइन के निर्माण कार्यों का उद्घाटन किया, जिसकी लागत 60 लाख रुपये है। इसके अलावा कॉलोनी की एक सड़क

का उद्घाटन भी किया।

मुख्यमंत्री ने बताया कि 91 लाख रुपये की लागत से एसपी-टीपी की अन्य गलियों का निर्माण जल्द शुरू होगा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रेमबाड़ी पुल से सिंगलपुर गांव तक सड़क चौड़ीकरण परियोजना का निरीक्षण किया और इसे जल्द पूरा करने का निर्देश दिया। साथ ही लाला जगत नारायण मार्ग पर एनएसपी से मधुबन चौक पर प्रस्तावित यू-टर्न (लागत 40 लाख रुपये) का शिलान्यास भी किया। एलिवेटेड रोड से जाम की समस्या खत्म होगी मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने निरीक्षण के दौरान मुनक नहर पर एलिवेटेड रोड परियोजना के बारे में बताया कि यह सड़क इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन से लेकर दिल्ली बॉर्डर तक बनेगी और आउटर व इनर रिंग रोड के बीच की कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगी। उन्होंने कहा कि इस रोड के बन जाने से जाम की समस्या बहुत हद तक कम होगी। इस योजना में नहर के दोनों ओर सड़क और ऊपर एलिवेटेड रोड का निर्माण प्रस्तावित है, जिससे यह क्षेत्र दिल्ली के सबसे सुंदर इलाकों में गिना जाएगा।

संपादक की कलम से

न्यायपालिका की छवि को धक्का

संविधान की 75वीं वर्षगांठ पर संविधान के संरक्षक कहे जाने वाले जज अग्निपरीक्षा के दौर से गुजर रहे हैं. तमिलनाु में सात रुपये का हिसाब नहीं देने पर भ्रष्टाचार मानते हुए रोवेज बस के कंक्टर को बर्खास्त कर दिया गया था. पर अब करो़ों रुपये की नकदी के जलने और सबूतों को नष्ट करने के मामले में पुलिस, जज और सरकार के मौन से लोगों में बहुत आक्रोश है. जांच समिति के आदेश के बाद दिल्ली पुलिस के पांच अधिकारियों के फोन जब्त कर लिये गये हैं. लेकिन दिल्ली उच्च न्यायालय के जज यशवंत वर्मा, उनके परिवारजन, स्टाफ और अन्य लोगों के मोबाइल फोन जब्त करने के कोई समाचार नहीं हैं. जबकि संवैधानिक सुरक्षा और सम्मान हासिल करने वाले जजों की आम जनता से ज्यादा जवाबदेही होनी चाहिए. विदित हो कि जस्टिस यशवंत वर्मा के सरकारी आवास के एक स्टोर रूम में 14 मार्च को आग लगी थी. इस दौरान उनके घर से ब़ी मात्रा में कैश मिला था.

उधर पंचनामा नहीं बनने की वजह से अहम सबूत गायब हो गये, जिससे कई महत्वपूर्ण प्रश्नों के उत्तर नहीं मिल पा रहे हैं. इस घटना का वीयो किसने बनाया और एक सप्ताह तक पुलिस, उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में चुप्पी क्यों साधी आगजनी के बाद कमरे और परिसर को सील क्यों नहीं किया गया अगले दिन किसके आदेश से अधजली बोरियों का मलबा हटाया गया वीयो के साथ सीसीटीवी फुटेज क्यों नहीं जारी किये गये इस मामले से ज़ुी कई कानूनी पेचीदगियों पर भी बहस हो रही है. क्या जजों को आपराधिक मामलों में भी संवैधानिक सुरक्षा हासिल है अगर कोई साजिश है, तो उसके खिलाफ जस्टिस वर्मा खुलकर शिकायत क्यों नहीं कर रहे जांच रिपोर्ट से जज यदि दोषी पाये गये, तो उन्हें कब और कैसे दंति किया जायेगा संविधान के अनुसार, राष्ट्रपति और राज्यपाल के कार्यकाल के दौरान उनके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज नहीं हो सकता लेकिन जजों को पुरानी आइपीसी और नये बीएनएस कानून के तहत सीमित कानूनी सुरक्षा हासिल है. इसके अनुसार, न्यायिक कार्यों के मामले में जजों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज नहीं हो सकता. सर्वोच्च न्यायालय के एक निर्णय से भी जजों को अतिरिक्त सुरक्षा कवर मिला हुआ है. इसीलिए चीफ जस्टिस की मंजूरी के बगैर जजों के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही शुरू नहीं हो सकती. इस सुरक्षा कवच में चीफ जस्टिस की मंजूरी नहीं मिलने से भ्रष्टाचार के अनेक मामलों में रिटायरमेंट के बाद भी जजों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज नहीं हो पाता.

भ्रष्टाचार के बढ़ते कैंसर से निपटने के लिए अन्ना आंदोलन के बाद लोकपाल कानून बनाया गया था. लोकपाल के निर्णय के अनुसार, हाईकोर्ट के जजों को लोक सेवक मानते हुए भ्रष्टाचार के मामलों की प्राथमिक जांच हो सकती है. लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने स्वतः संज्ञान लेते हुए लोकपाल के उस आदेश पर रोक लगा दी है. संविधान में महाभियोग की प्रक्रिया इतनी कठिन है कि संविधान लागू होने के 75 वर्ष बाद भी अभी तक किसी जज को महाभियोग के अनुसार नहीं हटाया गया है. इसमें भी पेंच लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने एक निर्णय दिया कि महाभियोग के पहले जज के खिलाफ आंतरिक जांच जरूरी है. इलाहाबाद हाईकोर्ट के ही दो जजों को आंतरिक जांच में भ्रष्टाचार के लिए दोषी पाया गया था. लेकिन उनके खिलाफ महाभियोग की कार्रवाई नहीं हुई और उन्होंने त्यागपत्र भी नहीं दिया.

उधर हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने सीबीआइ और ई जांच के साथ जज के पुराने फैसलों के रिव्यू की मांग की है. लेकिन बार अध्यक्ष ने जो जस्टिस वर्मा के घर से 15 करो़ की रकम मिलने का दावा किया है, उसके स्रोत और विश्वसनीयता पर सवाल उठ रहे हैं. जस्टिस वर्मा ने मामले को साजिश बताते हुए यह सफाई दी है कि जिस स्टोर रूम में आग लगी, वह उनके आवास का हिस्सा नहीं था. जस्टिस वर्मा के अनुसार, तीन महीने पहले भी सीबीआइ के पुराने मामले में उनकी छवि खराब करने के लिए सोशल मीयिा में प्रयास हुए थे. जस्टिस वर्मा के खिलाफ चीफ जस्टिस की मंजूरी के बगैर एफआइआर दर्ज नहीं हो सकती. लेकिन उनके खिलाफ यदि कोई साजिश हुई है, तो उन्हें पुलिस में शिकायत दर्ज करा जांच की मांग करनी चाहिए. यदि बाहरी लोगों ने जज के स्टोर रूम में पैसा रखा है, तो चीफ जस्टिस सीबीआइ और ई को जांच की मंजूरी भी दे सकते हैं. यह एक उलझन भरा जटिल मामला बन गया है. पुलिस में अभी तक कोई एफआइआर दर्ज नहीं होने के बावजूद सीआर, सीसीटीवी अन्य दूसरे बिंदुओं पर आंतरिक जांच समिति की मदद कर रहे हैं. ऐसे में यह आंतरिक जांच की बजाय तीन जजों के सुपरविजन में पुलिस और दूसरी एजेंसियों की एसआइटी जांच जैसी मानी जा सकती है. तीन वर्ष पहले कानून मंत्री ने संसद में जानकारी दी थी कि जजों और न्यायपालिका के खिलाफ 1,631 से अधिक शिकायतें दर्ज हुई हैं।

देश में जजों के भ्रष्टाचार या गैर-कानूनी कार्यों की जांच के लिए कोई कानूनी व्यवस्था नहीं है. संविधान में जजों की नियुक्ति के मामले में कॉलेजियम का जिक्र नहीं है।

ायबिटीज होने के बाद क्यों होता है जो़ों में दर्द, क्या है इलाज

भारत में आज ायबिटीज एक कॉमन बीमारी होती जा रही है. बहुत से लोग इस समस्या से जूझ रहे हैं और जब शरीर में कोई बीमारी लंबे समय तक रहती है तो उसका असर धीरे-धीरे बाकी अंगों पर भी दिखने लगता है.अक्सर ायबिटिक मरीज ये शिकायत करते हैं कि उनके घुटनों, कंधों या कमर में दर्द रहने लगा है. ऐसे में एक सवाल मन में जरूर आता है कि क्या ायबिटीज और जो़ों के दर्द का कोई संबंध है

ायबिटीज सिर्फ ब्ल शुगर बढ़ने की बीमारी नहीं है. ये एक ऐसी स्थिति है जो धीरे-धीरे पूरे शरीर पर असर ालती है. जब ब्ल में शुगर का लेवल लगातार ज्यादा बना रहता है तो शरीर की नसों, मांसपेशियों और जो़ों पर इसका असर दिखने लगता है. खासतौर से अगर ायबिटीज लंबे समय से है और ठीक से कंट्रोल नहीं की जा रही तो जो़ सख्त होने लगते हैं, उनमें सूजन आने लगती है और दर्द भी बना रहता है.

क्या है ायबिटीज और जो़ों के दर्द का कनेक्शन

शरीर में इंसुलिन की कमी या इंसुलिन का असर न दिखाना मेटाबॉलिज्म को प्रभावित करता है. इस वजह से शरीर के टिशूज (ऊतक) सही से काम नहीं कर पाते और खासतौर से जो़ों के आस-पास की मांसपेशियां और लुब्रिकेशन (जो जो़ को आसानी से हिलने-ुलने में मदद करता है) कम होने लगता है. यही कारण है कि ायबिटीज वाले लोगों को अक्सर घुटनों में अक़न, पीठ में खिंचाव या उंगलियों में जक़न महसूस होने लगती है.

कौन-कौन से दर्द होते हैं ायबिटीज में आम

ायबिटीज के चलते कुछ खास तरह के जो़ों और मांसपेशियों से ज़ुे दर्द आम हो जाते हैं. सबसे ज्यादा शिकायत फ्रोजन शोल्र की होती है. इसमें कंधा हिलाने में दिक्कत होती है और बहुत दर्द रहता है. इसके अलावा ायबेटिक न्यूरोपैथी नाम की समस्या में नसों में जलन, झनझनाहट और दर्द हो सकता है, खासकर पैरों में. कई बार उंगलियों की गांठें सख्त हो जाती हैं, उन्हें मो़ना मुश्किल हो जाता है. इसे मेकिल भाषा में ्यूप्यूट्रेन कॉन्ट्रैक्चर कहा जाता है. पैरों में भी जो़ अक़ने लगते हैं, जिससे चलना मुश्किल हो जाता है.

ायबिटीज का असर हमारी ब्ल वेसल्स पर प़ता है. जब नसों में खून का बहाव ठीक से नहीं हो पाता, तो टिशूज को ऑक्सीजन और जरूरी पोषक तत्व नहीं मिल पाते। इससे सूजन और जक़न बढ़ती है. वहीं, हाई ब्ल शुगर की वजह से शरीर में सूजन बढ़ाने वाले केमिकल्स भी एक्टिव हो जाते हैं, जिससे जो़ और मांसपेशियां और ज्यादा प्रभावित होती हैं।

स्वास्थ्य के प्रति करना होगा जागरूक

रमेश सर्राफ धमोरा

स्वास्थ्य हमारे जीवन के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। इंसान जब तक स्वस्थ रहता है तब तक उसमें कार्य करने की क्षमता बनी रहती है। जब वह अस्वस्थ होने लगता है तो उसके कार्य करने की क्षमता भी कमजोर प़ने लगती है। इसीलिए हमारे बुजुर्ग कहा करते थे कि पहला सुख निरोगी काया। यानी शरीर स्वस्थ रहने पर ही सबसे पहला सुख मिलता है। आज के दौर में खानपान में लापरवाही के चलते अधिकतर व्यक्ति किसी ने किसी बीमारी से ग्रसित रहने लगे हैं। इससे उनके कार्य क्षमता में भी कमी आई है। मनुष्य के अस्वस्थ होने पर उसके उपचार पर पैसे खर्च होते हैं जिससे उसकी आर्थिक स्थिति कमजोर होने लगती है। इसके साथ ही बीमार व्यक्ति का पूरा परिवार भी उसकी बीमारी के चलते तनाव में रहने लगता है। भागम-भाग के दौर वाली आज की जिंदगी में जो व्यक्ति अपना स्वास्थ्य सही रख पाता है। वह कम कमा कर भी सबसे अधिक सुखी रह सकता है। इसलिए हमें सबसे अधिक अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देना चाहिए।

आज दुनिया भर में मनुष्य के स्वास्थ्य को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी दुनिया के देशों को समय-समय पर चेतावनी देता रहता है। कुछ वर्ष पूर्व आई कोरोना महामारी ने पूरी दुनिया को हिला कर रख दिया था। मगर वैज्ञानिकों की तत्परता से वैक्सीन निर्माण होने के चलते वह नियंत्रण में आ गई थी। मगर भविष्य में भी ऐसी कोई गारंटी नहीं है कि कोरोना जैसी महामारी फिर नहीं आए। कभी भी कोई नई महामारी आ सकती है। इसलिए हमें हमारे खानपान, रहन-सहन व वातावरण में सावधानी बरतनी चाहिए ताकि हम बेवजह की बीमारियों से बच सके।

स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने के लिए प्रति वर्ष 7 अप्रैल को पूरी दुनिया में विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने के पीछे विश्व स्वास्थ्य संगठन का मकसद दुनियाभर में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। साथ ही साथ सरकारों को स्वास्थ्य नीतियों के निर्माण के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित करना। वर्तमान में इस संगठन के बैनर तले 195 से अधिक देश अपने-अपने देश के नागरिकों को रोगमुक्त बनाने के लिए प्रयासरत है। विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाने की शुरूआत 1950 से हुई। वैश्विक आधार पर स्वास्थ्य से ज़ुे सभी मुद्दे को विश्व स्वास्थ्य दिवस लक्ष्य बनाता है। जिसके लिये कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के द्वारा अंतरर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न प्रकार के खास विषय पर आधारित कार्यक्रम इसमें आयोजित होते हैं। पूरे साल भर के स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिये और उत्सव को चलाने के लिये एक खास विषय का चुनाव किया जाता है। वर्ष 2025 में विश्व स्वास्थ्य दिवस का विषय है स्वस्थ शुरूआत, आशावादी भविष्य। यह विषय माताओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य और जीवन को बढ़ाने पर केंद्रित है। जिसका लक्ष्य परिहार्य मातृ और शिशु मृत्यु के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि आधे भारतीयों की आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच ही नहीं है। जबकि स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने वाले लोग अपनी आय का 10 फीसदी से ज्यादा इलाज पर ही खर्च कर रहे हैं। वैश्विक साइबर सुरक्षा सूचकांक (जीसीआई) 2024 में भारत का स्कोर 98.49/100 रहा है। यह स्कोर अमेरिका, जापान, और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ भारत को टियर 1 में रखता है। वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा सूचकांक 2024 के अनुसार भारत 42.8 के समग्र सूचकांक स्कोर के साथ 195 देशों में से 66वें स्थान पर है और 2019 से -0.8 का परिवर्तन है। 2021 में दुनिया भर के देशों की स्वास्थ्य प्रणालियों की रैंकिंग के अनुसार, स्वास्थ्य सूचकांक स्कोर के आधार पर भारत 167 देशों में से 111वें स्थान पर था। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार तीन साल की अवस्था वाले 3.88 प्रतिशत बच्चों का विकास अपनी उम्र के हिसाब से नहीं हो सकी है और 46 प्रतिशत बच्चे अपनी अवस्था की तुलना में कम वजन के हैं, जबकि 79.2 प्रतिशत बच्चे एनीमिया से पीि़त हैं। गर्भवती महिलाओं में एनीमिया 50 से 58 प्रतिशत बढ़ा है। कहा जाता है कि जिस देश कि चिकित्सा सुविधाएं बेहतर होगी उस देश के लोगों कि औसत आयु उतनी ही अधिक होगी। भारतवासियों को यह जानकर हैरानी होगी कि औसत आयु के मामले में बांग्लादेश भारत से आगे है। भारत में औसत आयु जहां 64.6 वर्ष मानी गई है, वहीं बांग्लादेश में यह 66.9 वर्ष है। इसके अलावा भारत में कम वजन वाले बच्चों का अनुपात 43.5 प्रतिशत है और प्रजनन क्षमता की दर 2.7 प्रतिशत है, जबकि पांच वर्षों से कम अवस्था वाले बच्चों की मृत्यु दर 66 है और शिशु मृत्यु दर जन्म लेने वाले प्रति हजार बच्चों में 41 है जबकि 66 प्रतिशत बच्चों को ीपीटी का टीका देना प़ता है।

भारतीय स्वास्थ्य रिपोर्ट के मुताबिक सार्वजनिक स्वास्थ्य की सेवाएं अभी भी पूरी तरह से मुफ्त नहीं है और जो है उनकी हालत अच्छी नहीं है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रशिक्षित लोगों की काफी कमी है। भारत में ॉक्टर और आबादी का अनुपात भी संतोषजनक नहीं है। हमारे देश में 1000 लोगों पर एक ॉक्टर भी उपलब्ध नहीं है। अस्पतालों में बिस्तर की उपलब्धता भी काफी कम है और केवल 28 प्रतिशत लोग ही बेहतर साफ-सफाई का ध्यान रखते हैं। पिछले कुछ सालों में हमारे देश में कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों का प्रभाव बढ़ा है। साथ ही मधुमेह, हृदय रोग, क्षय रोग, मोटापा, तनाव की चपेट में भी लोग ब़ी संख्या में आ रहे हैं। महिलाओं में स्तन कैंसर, गर्भाशय कैंसर का खतरा बढ़ा है। ये बीमारियां ब़ी तादाद में उनकी मौत का कारण बन रही हैं। ग्रामीण तबके में देश की अधिकतर आबादी उचित खानपान के अभाव में कुपोषण की शिकार हो रही है। महिलाओं, बच्चों में कुपोषण का स्तर अधिक देखा गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार प्रति 10 में से सात बच्चे एनीमिया से पीि़त हैं। वहीं महिलाओं की 36 प्रतिशत आबादी कुपोषण की शिकार है।

भारत में इलाज पर अपनी जेब से खर्च करने वाले पीि़त लोगों की संख्या ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी की संयुक्त आबादी से भी अधिक है। भारत की तुलना में इलाज पर अपनी आय का 10 फीसदी से अधिक खर्च करने वाले लोगों का देश की कुल जनसंख्या में प्रतिशत श्रीलंका में 2.9 फीसदी, ब्रिटेन में 1.6 फीसदी, अमेरिका में 4.8 फीसदी और चीन में 17.7 फीसदी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार अभी भी बहुत से लोग ऐसी बीमारियों से मर रहे है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट में बताया गया कि देश की आबादी का 3.9 फीसदी यानी 5.1 करो़ भारतीय अपने घरेलू बजटा का एक चौथाई से ज्यादा खर्च इलाज पर ही कर देते हैं। जबकि श्रीलंका में ऐसी आबादी महज 0.1 फीसदी है, ब्रिटेन में 0.5 फीसदी, अमेरिका में 0.8 फीसदी और चीन में 4.8 फीसदी हैं। इलाज पर अपनी आय का 10 फीसदी से ज्यादा खर्च करने वाली आबादी का वैश्विक औसत 11.7 फीसदी है। इनमें 2.6 फीसदी लोग अपनी आय का 25 फीसदी से ज्यादा हिस्सा इलाज पर खर्च करते हैं और दुनिया के करीब 1.4 फीसदी लोग इलाज पर खर्च करने के कारण ही अत्यंत गरीबी का शिकार हो जाते हैं।

देश के ग्रामीण अंचल में जब तक सही व समुचित स्वास्थ्य सेवाऐं उपलब्ध नहीं हो पायेगी तब तक भारत में सबको स्वास्थ्य की योजना पूरी नहीं हागी। आज देश के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधा की स्थिति ब़ी भयावह है। आये दिन समाचार पढे को मिलते हैं कि एम्बुलेन्स के अभाव में मृतक को साईकिल पर बांधकर घर तक लाना प़ता है। गांवो में स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में लोगों को तांत्रिको के चक्कर लगाते देखा जा सकता है। निजी चिकित्सक भी कमाई के चक्कर में शहरों में ही काम करना पसन्द करते हैं। जब तक गांवो की तरफ ध्यान नहीं दिया जायेगा तब तक भारत में सबको स्वास्थ्य का सपना पूरा नहीं हो पायेगा।

आलेखः-
रमेश सर्राफ धमोरा

शाहबाद के जंगल को बचाने जुटे स्थानीय नागरिक

(नीलम आहुलवालिया-विभूति फीचर्स)

राजस्थान के प्राचीन शाहाबाद जंगल को कटने से बचाने के लिए नागरिकों ने प्रधानमंत्री मोदी से अपील की है।

राजस्थान के बारां जिले के स्थानीय लोगों ने 500 किलोमीटर से अधिक की यात्रा करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिये ज्ञापन दिया है, ताकि प्राचीन, जैव विविधता से भरपूर शाहबाद के जंगल में 1.19 लाख पुराने पे़ों और अनगिनत अन्य छोटे पे़ों और झाि़यों को कटने से बचाया जा सके। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि सरकार ने हैदराबाद की ग्रीनको एनर्जी प्राइवेट लिमिटे नामक एक निजी कंपनी को बारां जिले के शाहबाद ब्लॉक में 408 हेक्टेयर वन भूमि पर पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट स्थापित करने की अनुमति दी है। राजस्थान के बारां जिले की ग्राम पंचायत कुज़े के सरपंच प्रशांत पाटनी और दिल्ली आए शाहबाद जंगल बचाओ आंदोलन का प्रतिनिधित्व करने वाले नागरिक प्रतिनिधिमंल के जो हिस्सा हैं, उनहोने कहा, ह्ल1 अप्रैल 2025 को, हमने राजस्थान के झालावा़-बारां निर्वाचन क्षेत्र के लोकसभा सांसद श्री दुष्यंत सिंह से नई दिल्ली में उनके आवास पर मुलाकात की और उन्हें पीएम मोदी को संबोधित एक ज्ञापन दिया और 2 अप्रैल को हमने लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला को ज्ञापन सौंपा। पिछले 6 महीनों में एक अभियान चलाया गया है जिसमें राजस्थान के नागरिकों द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को 35000 से अधिक पोस्ट कार्ा भेजे गए हैं। नागरिकों की मांग है कि सरकार पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट ऐसी जगह बनाए जहां कोई घना जंगल या पारिस्थितिकी तंत्र समृद्ध न हो। ऐसा ही एक क्षेत्र कोटा जिले का रामगंज मंी क्षेत्र और झालावा़ जिले का भवानी मंी क्षेत्र है, जहां कोटा स्टोन खदानों से मलबे के विशाल पहा़ और सैको़ं फीट गहरी खाइयां बन गई हैं। इस भूमि को पुनः प्राप्त करके वहां पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट लगाया जा सकता है। चीन परियोजनाओं के लिए खनन की गई भूमि को पुनः प्राप्त करने की इसी नीति का पालन करता है।

ज्ञापन में प्रधानमंत्री मोदी को विश्व वन्यजीव दिवस पर दिए गए उनके संदेश की याद दिलाई गई है जिसमें उन्होंने कहा था - "हम पारिस्थितिकी और अर्थव्यवस्था के बीच संघर्ष में विश्वास नहीं करते, बल्कि दोनों के बीच सह-अस्तित्व को महत्व देते हैं।

भारत के जलपुरुष के नाम से मशहूर ॉ. राजेंद्र सिंह ने कहा, "मैंने जनवरी 2025 में खुद शाहबाद के जंगल का दौरा किया था और पाया था कि यह बहुत घना जंगल है। ऐसे समय में जब भारत की जल सुरक्षा गंभीर रूप से खतरे में है, ऐसे जंगल पूरे देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण जल पुनर्भरण क्षेत्र हैं और इन्हें हर कीमत पर संरक्षित करने की आवश्यकता है। आयुर्वेद विभाग के सेवानिवृत्त अतिरिक्त निदेशक ॉ. रमेश कुमार भूटिया ने शाहबाद के जंगल में वर्षों तक वनस्पति सर्वेक्षण किया है और उनके निष्कर्षों से पता चलता है कि पूरे देश में पाए जाने वाले 450 औषधीय पौधों में से आयुर्वेदिक दवाओं के लिए महत्वपूर्ण मानी जाने वाली औषधीय ज़ी-बूटियों की 332 प्रजातियाँ पारिस्थितिक रूप से समृद्ध शाहबाद के जंगल में पाई जाती हैं। गिद्धों की लुप्तप्राय प्रजातियाँ अभी भी यहाँ के ऊँचे पे़ों पर घोंसला बनाती हुई देखी जाती हैं। यदि इन पुराने पे़ों को काट दिया गया, तो पारिस्थितिकी तंत्र संतुलन बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण ये पक्षी विलुप्त हो जाएँगे। इसके अलावा, सरीसृप, पक्षी, तेंदुआ, भालू, लोम़ी, सियार, नीलगाय, सांभर, चीतल, जंगली सूअर आदि जैसे स्तनधारी जीवों की कई अन्य प्रजातियों का अस्तित्व भी दांव पर लगा है। किसी भी तरह की गहन वनों की कटाई से क्षेत्र के समृद्ध वनस्पतियों और जीवों के अस्तित्व को खतरा होगा और इसके परिणामस्वरूप ब़े पैमाने पर मिट्टी का कटाव होगा।

भारत के लिए बढ़ता हुआ सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट

सत्यवान सौरभ

गर्मी का मौसम भारत में नया नहीं है, लेकिन हाल के वर्षों में इसकी प्रकृति खतरनाक होती जा रही है। कभी मौसमी बदलाव माने जाने वाली हीटवेव अब हमारे शहरों और गांवों में एक नियमित आपदा का रूप ले चुकी है। वर्ष 2024 में उत्तर-पश्चिम भारत में 181 हीटवेव दिन दर्ज किए गए – जो अब तक का सबसे ऊंचा आँक़ा है। यह संख्या केवल मौसम के आंक़े नहीं हैं; यह जीवन, स्वास्थ्य और आजीविका पर मंराते खतरे की स्पष्ट चेतावनी है। हीटवेव, सामान्य तापमान सीमा से अधिक अत्यधिक गर्मी की लंबी अवधि है, जो जलवायु परिवर्तन के कारण भारत में और भी भीषण हो गई है। वर्ष 2024 में भारत में कई राज्यों में 554 हीटवेव के दिन दर्ज किए जिसमें अधिकतम तापमान 47 ग्रिी सेल्सियस से ऊपर चला गया। इस वृद्धि ने गर्मी से संबंधित बीमारियों को बढ़ा दिया है, जो बुजुर्गों, मजदूरों और कम आय वाले समुदायों को असमान रूप से प्रभावित कर रहा है।

हीटवेव और स्वास्थ्यः छाया की कमी, संकट की अधिकता

अत्यधिक गर्मी का सीधा प्रभाव हमारे शरीर पर प़ता है। हिाई्रेशन, हीट-स्ट्रोक, हृदयगति का तेज हो जाना, और सांस लेने में तकलीफ – ये सब हीटवेव के साथ आने वाली आम समस्याएं हैं। बच्चे, बुजुर्ग और बीमार लोग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। झारखं में इस साल बाल चिकित्सा वा़ में हिाई्रेशन के मामलों में असामान्य

वृद्धि दर्ज की गई। तेज शहरीकरण और हरियाली की कटौती ने शहरों को ताप द्वीप में बदल दिया है। दिल्ली जैसे शहरों में रात का तापमान भी सामान्य से 4-5 ग्रिी अधिक बना रहता है। झुग्गी-झोप़ियों में रहने वाले परिवारों के लिए यह स्थिति कष्टदायक से जानलेवा तक हो सकती है।

हीटवेव और जीवन व्यवस्था पर असर

गर्मी के कारण स्कूल बंद होते हैं, पानी की सप्लाई बाधित होती है, बिजली कटौती आम हो जाती है। गरीब और मेहनतकश वर्ग, जिनके पास न ठंी जगह होती है, न संसाधन, सबसे अधिक संकट में होते हैं। हीटवेव केवल सेहत का नहीं, आर्थिक उत्पादन का भी सवाल बन गई है। निर्माण श्रमिक, किसान और स़क विक्रेता जैसी बाहरी कामकाज से ज़ुे लोगों की उत्पादकता गिर रही है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार, हीटवेव के कारण भारत में कार्य घंटों में 2.2% की गिरावट आ सकती है, जो GDP में 2.8% तक की हानि बन सकती है।

सब पर असर एक जैसा नहीं होता

हीटवेव की मार सभी पर एक समान नहीं होती। जिनके पास एयर कंीशनर, स्वच्छ जल और स्वास्थ्य सेवाएं नहीं हैं, वे अधिक सुभेद्य होते हैं। ग्रामीण महिलाएं जो जल लाने या खेतों में काम करती हैं, उन्हें दोगुना खतरा होता है। शहरों के गरीब बस्तियों में रहने वाले परिवारों के लिए हीटवेव असमानता का सबसे तेज रूप बन जाती है। हीटवेव से ल़ाई सिर्फ एक मौसमीय अलर्ट से नहीं ल़ी जा सकती।

इसके लिए पूर्व चेतावनी प्रणाली, शहरी नियोजन, स्वास्थ्य सेवा का विस्तार और सामुदायिक भागीदारी जरूरी है। अहमदाबाद, सूरत और भुवनेश्वर जैसे शहरों ने हीट एक्शन प्लान अपनाकर यह दिखाया है कि नियोजित प्रयासों से मृत्यु दर में कमी लाई जा सकती है। सूरत में कूल रूफ योजना ने झुग्गियों में तापमान को 3झ4 ग्रिी कम किया। भुवनेश्वर में भी़ वाले बाजारों में पेयजल स्टॉल और छाया ढांचे लगाए गए।

हीट गवर्नेंसः अब जरूरत है कानूनी और नीतिगत ढाँचे की

सटीक ताप पूर्वानुमान और सार्वजनिक चेतावनियाँ स्वास्थ्य जोखिमों को कम करने में मदद करती हैं। अहमदाबाद हीट एक्शन प्लान (2013) ने कलरझ्को अलर्ट पेश किए जिससे निवासियों और अस्पतालों को अत्यधिक तापमान वाली स्थिति के लिए तैयार होने में मदद मिली। अस्पतालों में कूलिंग स्पेस बनाना, स्वास्थ्य पेशेवरों को प्रशिक्षित करना और पर्याप्त चिकित्सा आपूर्ति सुनिश्चित करना गर्मी से संबंधित मृत्यु दर को कम कर सकता है। ठाणे में हीटस्ट्रोक के मामलों पर नजर रखने और तत्काल चिकित्सा मध्यक्षेप प्रदान करने के लिए रियलटाइम निगरानी शामिल है । कूलिंग सेन्टर्स बनाना, ओरस पैकेट वितरित करना, और जल की उपलब्धता सुनिश्चित करना, निम्न आय वाले समुदायों की सुरक्षा में मदद करता है।

भुवनेश्वर में गर्मी से होने वाली थकावट को रोकने के लिए भी़भा़ वाले बाजारों में अस्थायी छाया संरचनाएँ और जलयोजन स्टेशन स्थापित किए गए थे। हरित आवरण का विस्तार, रिफ्लेक्टिव रूफ्स को बढ़ावा देना, और जलाशयों का निर्माण करके शहरी तापमान को काफी हद तक कम किया जा सकता है। सूरत ने झुग्गी-झोप़ियों में कूल-रूफ पहल शुरू की, जिससे घर के अंदर का तापमान 3-4 ग्रिी सेल्सियस कम हो गया, जिससे हजारों निवासियों को लाभ हुआ।

अमेरिका में टली बड़ी विमान दुर्घटना, 179 यात्रियों वाले विमान के लैंडिंग गियर में लगी आग, सभी सुरक्षित

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के डेनवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर बड़ा विमान हादसा उस समय टल गया जब मियामी जा रहे एक अमेरिकी विमान एए3023 के लैंडिंग गियर में अचानक आग लग गई। विमान में सवार 179 यात्रियों और चालक दल को आपातकालीन द्वार से तत्काल निकाल लिया गया। फायर ब्रिगेड और एयरपोर्ट इमरजेंसी टीम ने आग पर काबू पा लिया। आग उस समय लगी जब मियामी जाने को तैयार विमान रनवे पर टैक्सिंग कर रहा था। हादसे में किसी की मौत या घायल होने की खबर नहीं है।

अफगानिस्तान का व्यापारिक विस्तार : ताजिकिस्तान को पहली बार भेजा गया मछली चारा

काबुल। अफगानिस्तान ने उत्तरी बल्ख प्रांत से पहली बार 50 टन मछली चारा (फिश फीड) ताजिकिस्तान को निर्यात किया है। यह कदम देश की बढ़ती क्षेत्रीय व्यापारिक महत्वाकांक्षाओं को दर्शाता है। यह जानकारी अफगानिस्तान की सरकारी बख्तर समाचार एजेंसी ने दी। बल्ख प्रांत के उद्योग और वाणिज्य विभाग के प्रमुख हाफिज आमिर मोहम्मद मुत्तकी ने बताया, यह मछली चारा गुणवत्ता परीक्षण और मानकीकृत प्रक्रिया के बाद ताजिक बाजार के लिए भेजा गया। मुत्तकी ने इसे अफगानिस्तान के निर्यात क्षेत्र में विविधता लाने और क्षेत्रीय बाजारों में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उल्लेखनीय है कि इसी महीने बल्ख प्रांत से एक बड़ा वॉशिंग उत्पादों का खेप भी यूनाइटेड किंगडम भेजा गया था, जो अंतरराष्ट्रीय व्यापार में अफगानिस्तान की सक्रियता को दर्शाता है।अस्थायी अफगान सरकार द्वारा निजी क्षेत्र को बढ़ावा देने और क्षेत्रीय बाजारों तक पहुंच सुनिश्चित करने के प्रयासों से निर्यात में वृद्धि हो रही है, जिससे न केवल राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है बल्कि देश की व्यापारिक पहचान भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उभर रही है।

हमास को अमेरिका के युद्धविराम वार्ता से हटने पर आश्चर्य, आरोपों को बताया अनुचित

गाजा। हमास के एक वरिष्ठ अधिकारी इज्जत अल-रिशक ने अमेरिका द्वारा युद्धविराम वार्ता से हटने के फैसले और वार्ता विफल होने का दोष हमास पर डालने वाले बयानों पर आश्चर्य जताया है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय मध्यस्थों की समझ और हमास की पहुंच से मेल नहीं खाता। हमास की राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य इज्जत अल-रिशक ने एक बयान में कहा, हम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के बयानों से हैरान हैं। ये बयान मध्यस्थों के आकलन और जमीनी सच्चाई से मेल नहीं खाते। इस सप्ताह अमेरिका ने हमास पर समन्वय की कमी और ईमानदारी से वार्ता में भाग न लेने का आरोप लगाते हुए युद्धविराम वार्ता से अपने प्रतिनिधियों को वापस बुला लिया। अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने कहा है कि वे गाजा में बचे हुए 50 बंधकों को छुड़ाने के लिए विकल्पों की तलाश कर रहे हैं। इजराइल का मानना है कि इन बंधकों में से केवल 20 ही अभी जीवित हैं। हालांकि, अल-रिशक ने दावा किया कि मध्यस्थ देशों मिस्र और कतर ने हमास के रुख और रचनात्मक दृष्टिकोण की सराहना की और कहा कि संगठन ने सभी प्रस्तावों पर सकारात्मक और लचीला रवैया अपनाया। उन्होंने बताया कि हमास ने युद्धविराम के प्रस्तावित 60-दिवसीय काल में इजराइली फौज की गहराई कम करने, बड़े पैमाने पर मानवीय सहायता पहुंचाने और बंधकों की अदला-बदली जैसे विषयों पर भी स्पष्टता और गारंटी की मांग की थी।

विश्व के जो देश भारत से नफरत करते थे वही अब प्रधानमंत्री मोदी का सम्मान कर रहेः इंद्रेश कुमार

काठमांडू। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक एवं अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य इंद्रेश कुमार ने कहा है कि दुनिया भर के जो देश कभी भारत, हिंदू और सनातन से नफरत करते थे, वही देश आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सम्मान दे रहे हैं। नेपाल के तीन दिवसीय प्रवास पर आये इंद्रेश कुमार ने कहा कि 2014 के बाद भारत, भारतीय और हिन्दू धर्मावलंबियों को देखने का नजरिया बदला है। भारत-नेपाल सांस्कृतिक मैत्री दल के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है,

जब किसी शासनाध्यक्ष और राष्ट्र प्रमुखों को इतना अधिक सम्मान मिला है। इंद्रेश कुमार ने कहा कि यह सम्मान किसी व्यक्ति का नहीं बल्कि वो जिस देश, भूमि, संस्कृति और धर्म का प्रतिनिधित्व करते हैं, ये उसका सम्मान है। उन्होंने कहा कि दुनिया के 26 देशों ने अबतक उनको अपना सर्वोच्च सम्मान दे दिया है और आगे भी कई देश देने के लिए तैयार हैं।

मिशिगन के वॉलमार्ट में चाकूबाजी की घटना, 11 घायल

एजेंसी

मिशिगन। मिशिगन के ट्रैवर्स सिटी में वॉलमार्ट सुपरमार्केट में चाकूबाजी की दिल दहला देने वाली घटना में कम से कम 11 लोग घायल हो गए। इनमें से छह लोगों की हालत गंभीर है। ग्रैंड ट्रैवर्स काउंटी के शेरिफ माइकल शीया ने इसे एक यादृच्छिक हमला बताया। पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में ले लिया है। स्थानीय मीडिया के हवाले से बताया कि शेरिफ शीया ने कहा, 11 लोग घायल होना भी बहुत है, लेकिन शुक्र है कि यह संख्या और अधिक नहीं थी। घटना के बाद वॉलमार्ट के बाहर आपातकालीन वाहन और पुलिसकर्मी तैनात थे। मिशिगन स्टेट पुलिस ने बताया कि संदिग्ध को हिरासत में लिया गया। शीया ने कहा कि संदिग्ध मिशिगन का निवासी है और उसने हमले में एक फोल्डिंग चाकू का इस्तेमाल किया। हालांकि, प्रवक्ता मेगन ब्राउन ने बताया कि सभी पीड़ित चाकूबाजी के शिकार हैं।

संदिग्ध के बारे में और जानकारी साझा नहीं की गई। मुनसन हेल्थकेयर, जो उत्तरी मिशिगन का सबसे बड़ा अस्पताल है, ने सोशल मीडिया पर बताया कि 11 घायलों का इलाज चल रहा है। अस्पताल की शनिवार देर रात तक छह लोग गंभीर हालत में थे, जबकि पांच की हालत स्थिर लेकिन गंभीर थी। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, 36 वर्षीय टिफनी डेफेल, जो ट्रैवर्स सिटी से 25 मील दूर होनर में रहती हैं, ने बताया कि वह पार्किंग में थीं जब यह हादसा हुआ। उन्होंने कहा, यह बहुत डरावना था। मैं और मेरी बहन बहुत डर गए थे। मिशिगन की गवर्नर ग्रेचेन व्हिटमर ने इस घटना पर दुख जताया और कहा, हमारी संवेदनाएं पीड़ितों और इस हिंसक घटना से प्रभावित समुदाय के साथ हैं। एफबीआई के उपनिदेशक डैन बोंगिनो ने सोशल मीडिया पर कहा कि एफबीआई अधिकारी स्थानीय पुलिस को सहायता देने के लिए मौके पर हैं। ट्रैवर्स सिटी, लेक मिशिगन के तट पर स्थित एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है, जो अपने चेरी फेस्टिवल, वाइनरी और लाइटहाउस के लिए जाना जाता है। यह स्लीपिंग बेयर ड्यून्स नेशनल लेकशोर से 25 मील (40 किमी) पूर्व में है।

इजराइल की गाजा में भुखमरी की नीति 'नरसंहार' के समानः अमेरिकी सांसद का आरोप

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिकी कांग्रेस सदस्य जॉन गरामेंडी ने गाजा में मानवीय सहायता न पहुंचाने की इजराइली नीति को 'नरसंहार' की श्रेणी में बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की मंशा से गाजा के नागरिकों को जानबूझकर भूख और पीड़ा का सामना करना पड़ रहा है। कैलिफोर्निया से डेमोक्रेट सांसद गरामेंडी ने एक बयान में कहा, इजराइल के पास फिलिस्तीनियों तक पर्याप्त भोजन पहुंचाने की क्षमता और संसाधन हैं। इसके बावजूद वे ऐसा नहीं कर रहे, जो अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है। यह प्रधानमंत्री नेतन्याहू का जानबूझकर लिया गया फैसला है कि गाजा को खाना न दिया जाए। उल्लेखनीय है कि अमेरिका के कुछ प्रगतिशील डेमोक्रेट सांसदों ने इजराइल पर गाजा में नरसंहार का आरोप लगाया है, लेकिन संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों और प्रमुख मानवाधिकार

कैलिफोर्निया से डेमोक्रेट सांसद गरामेंडी ने एक बयान में कहा, इजराइल के पास फिलिस्तीनियों तक पर्याप्त भोजन पहुंचाने की क्षमता और संसाधन हैं।

संगठनों ने बीते एक साल में इजराइल की सैन्य कार्रवाई को 'नरसंहारात्मक अभियान' करार दिया है। इन सांसदों का कहना है कि गाजा में जानबूझकर भोजन, दवाएं और अन्य जरूरी सहायता रोकना न केवल मानवीय अपराध है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून का भी गंभीर उल्लंघन है।

नेपाल और चीन के बीच सबसे बड़े व्यापारिक मार्ग पर पुल का पुनर्निर्माण शुरू, बाढ़ से हो गया था क्षतिग्रस्त

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल की पूर्व राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी ने नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) की उनकी सदस्यता रद्द करने के फैसले को लेकर पार्टी अध्यक्ष एवं प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली पर हमला बोला है। भंडारी ने कहा कि पार्टी की सदस्यता रद्द करने का अधिकार किसी को नहीं है। पिछले महीने जून में नेपाल म्युनिस्ट पार्टी (एमाले) की फिर से सदस्यता लेकर सक्रिय राजनीति में लौटने की घोषणा करने वाली पूर्व राष्ट्रपति भंडारी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में पार्टी के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता जाहिर की। भंडारी ने कहा कि वे 45 वर्षों से पार्टी की सदस्य रही हैं। उनकी सदस्यता रद्द करने का कोई वैध कारण नहीं है। उन्होंने कहा, मैं भावनाओं में बात नहीं कर रही हूं। मैं देशभर में पार्टी कार्यकर्ताओं से आह्वान करती हूं कि वे मदन भंडारी की कल्पना के अनुसार पार्टी के मिशन को आगे बढ़ाना जारी रखें। अपनी सदस्यता रद्द किए जाने से दुखी भंडारी ने कहा, मैं दुखी जरूर हूं लेकिन झुकी नहीं हूं। यह पार्टी हजारों सदस्यों के खून-पसीने से बनी है। यहां किसी व्यक्ति विशेष की हुकूमत नहीं चलेगी। उन्होंने 2023 तक नेपाल की दो बार राष्ट्रपति रहीं। वर्ष 2015 में राष्ट्रपति बनने के बाद उन्होंने पार्टी की सदस्यता छोड़ दी थी, क्योंकि यह पद मुख्य रूप से प्रतीकात्मक और गैर-

अपनी राजनीतिक स्वतंत्रता के अधिकार को प्रतिबंधित करने वाले निर्णयों पर निराशा व्यक्त करते हुए चेतावनी दी कि इस तरह के कदम से पार्टी कमजोर होती जाएगी। उल्लेखनीय है कि भंडारी 2015 से राजनीतिक होता है। राष्ट्रपति बनने से पहले वह नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) की वरिष्ठ नेता थीं। वे पार्टी की उपाध्यक्ष रह चुकी थीं। माधव कुमार नेपाल के प्रधानमंत्रित्वकाल में वह 2009 में रक्षा मंत्री भी रही हैं।

अमेरिका ने लेबनानी आतंकवादी की रिहाई पर फ्रांस की आलोचना की, कहा- राजनयिकों की सुरक्षा को खतरा

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका ने फ्रांस द्वारा लेबनानी आतंकवादी जॉर्ज इब्राहिम अब्दल्ला की जेल से रिहाई और उसे लेबनन निर्वासित करने के फैसले की कड़ी निंदा की है। अब्दल्ला को 1980 के दशक में पेरिस में अमेरिकी और इजराइली राजनयिकों की हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी।

जॉर्ज इब्राहिम अब्दल्ला, जो एक कट्टरपंथी और इजराइल विरोधी विचारधारा वाला आतंकवादी माना जाता है, को 1984 में गिरफ्तार किया गया था और 1987 में अमेरिकी सैन्य अताशे चार्ल्स रॉबर्ट रे और इजराइली राजनयिक याकोव बार्सीमंतोव की हत्या में संलिप्तता के लिए उम्रकैद की सजा दी गई थी।हाल ही में फ्रांस की एक अपील अदालत ने शर्तों के साथ उसकी रिहाई को मंजूरी दी, जिसमें उसे फ्रांसीसी भूमि छोड़ने और दोबारा प्रवेश न करने की शर्त शामिल थी। बीते वह दक्षिण-पश्चिम फ्रांस की जेल से

रिहा हुआ और बाद में अपने गृहनगर लेबनन पहुंच गया।अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा, संयुक्त राज्य अमेरिका फ्रांसीसी सरकार द्वारा जॉर्ज इब्राहिम अब्दल्ला की रिहाई और उसे लेबनन निर्वासित किए जाने का विरोध करता है। यह फैसला अमेरिकी राजनयिकों की सुरक्षा को खतरे में डालता है और पीड़ितों व उनके परिवारों के साथ गंभीर अन्याय है। हालांकि अब्दल्ला 1999 से रिहाई के योग्य था, लेकिन अमेरिका की लगातार आपत्ति के कारण उसकी सभी पूर्ववर्ती याचिकाएं खारिज होती रहीं।

मूल रूप से लेबनान के मारोनाइट ईसाई समुदाय से आने वाले अब्दल्ला ने खुद को कभी आतंकवादी नहीं माना। उसका दावा रहा है कि वह फिलिस्तीन और लेबनान के अधिकारों के लिए लड़ने वाला क्रांतिकारी है, जो अमेरिका और इजराइल की नीतियों का विरोध करता है।

मेलबर्न में भारतीय मूल के सौरभ आनंद पर तलवार से हमला, हाथ कटने के बाद सर्जरी से जोड़ा गया

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में भारतीय मूल के 33 वर्षीय सौरभ आनंद पर पांच किशोरों ने तलवार से हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। यह घटना 19 जुलाई की शाम 7:30 बजे अल्टोना मीडोज के सेंट्रल स्क्वायर शॉपिंग सेंटर के पास हुई, जब सौरभ फार्मेसी से घर लौट रहे थे। स्थानीय मीडिया के अनुसार, हमले में सौरभ का एक हाथ लगभग कट गया था, जिसे बाद में सर्जरी के जरिए जोड़ा गया द ऑस्ट्रेलियन टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, सौरभ फोन पर दोस्त से बात कर रहे थे, तभी पांच किशोरों ने उन्हें घेर लिया। एक हमलावर ने उनकी जेबें टटोलीं, दूसरे ने उनके सिर पर मुक्के मारे, जिससे वह जमीन पर गिर गए। तीसरे हमलावर ने तलवार निकालकर उनकी गर्दन पर रख दी। सौरभ ने द एज को बताया, पर भी चाकू के घाव लगे, जिससे उनकी रीढ़ की हड्डी टूट गई और कई

खुद को बचाने की कोशिश में तलवार मेरे कलाई में लगी। दूसरा वार मेरे हाथ पर और तीसरा हड्डी तक चला गया। सौरभ को कंधे और पीठ हड्डियां क्षतिग्रस्त हुईं। उन्होंने कहा, मुझे बस दर्द याद है, मेरा हाथ बस एक धागे से लटक रहा था।

गंभीर चोटों के बावजूद, सौरभ किसी तरह वहां से निकले और मदद मांगी। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने पहले उनके हाथ को काटने पर विचार किया, लेकिन जटिल सर्जरी के बाद उसे जोड़ने में सफलता मिली। ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने इस हमले के सिलसिले में पांच में से चार किशोरों को गिरफ्तार किया है। जांच अभी जारी है।

यह घटना ऑस्ट्रेलिया में भारतीय मूल के लोगों पर हाल के हमलों की कड़ी में एक और मामला है। पिछले हफ्ते, भारतीय छात्र चरणप्रीत सिंह पर किंटोर एवेन्यू के पास पार्किंग विवाद के बाद नस्लीय दुर्व्यवहार और मारपीट के साथ हमला हुआ था। यह घटना तब हुई जब चरणप्रीत और उनकी पत्नी शहर में लाइट डिस्प्ले देखने गए थे।

थाईलैंड-कंबोडिया को ट्रंप की सख्त चेतावनी, जंग न रोकी तो नहीं होगा व्यापार

एजेंसी

वॉशिंगटन। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच जारी सीमा विवाद पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए दोनों देशों को तत्काल युद्धविराम की चेतावनी दी है।

ट्रंप ने स्पष्ट तौर पर कहा कि यदि दोनों देश शांति बहाल नहीं करते हैं, तो अमेरिका उनके साथ कोई व्यापारिक समझौता नहीं करेगा। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रूथ सोशल' पर पोस्ट करते हुए लिखा कि उन्होंने थाईलैंड के कार्यवाहक प्रधानमंत्री से अच्छी बातचीत की है और अब कंबोडिया के प्रधानमंत्री से भी युद्ध रोकने को लेकर संवाद किया है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों से बातचीत के बाद लगता है कि शांति और समृद्धि पूरी तरह संभव है। अब देखना यह है कि आगे क्या होता है। ट्रंप ने साफ कहा, हम दोनों देशों के साथ व्यापारिक संबंधों पर बातचीत कर रहे हैं, लेकिन मैंने उन्हें स्पष्ट कर दिया है कि अगर वे युद्ध जारी रखते हैं तो अमेरिका उनके साथ कोई व्यापार नहीं करेगा।

उन्होंने आगे कहा कि वे जल्द ही दोबारा थाईलैंड को कॉल करेंगे और कंबोडिया से आगे की बातचीत थाईलैंड की प्रतिक्रिया पर निर्भर करेगी। अपने बयान में ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान के बीच के अतीत के संघर्ष का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष मुझे भारत और पाकिस्तान के बीच के उस पुराने तनाव की याद दिलाता है, जिसे सफलतापूर्वक नियंत्रित किया गया था। अब मैं इस क्षेत्रीय युद्ध को भी शांति में बदलने की कोशिश कर रहा हूं।

गाजा में अस्थायी युद्धविराम पर माने नेतन्याहू, आईडीएफ ने विमान के जरिए गिराई सहायता सामग्री

एजेंसी

यरूशलम,। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को गाजा में अस्थायी युद्ध विराम का ऐलान किया है। इजरायली मीडिया ने यह जानकारी दी।

इजरायल के सरकारी टीवी चैनल कान न्यूज के अनुसार, प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज, विदेश मंत्री गिदोन सा%र और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा के बाद गाजा की स्थिति पर अंतरराष्ट्रीय दबाव में यह फैसला लिया। इससे पहले, इजरायली रक्षा बलों ने एक बयान में कहा था कि गाजा में मानवीय सहायता की हवाई आपूर्ति देर रात फिर से शुरू हो जाएगी। इस बीच, फिलिस्तीनी सूत्रों और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि शनिवार शाम को उत्तरी गाजा के कई इलाकों

में मानवीय सहायता की हवाई डिलीवरी फिर से शुरू हुई। आईडीएफ ने खुद इसकी जानकारी टेलीग्राम पोस्ट के जरिए दी। रविवार की सुबह एक बयान में, इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने कहा कि हवाई मार्ग से पहुंचाई गई सहायता में आटा, चीनी और डिब्बाबंद खाद्य सामग्री वाले सात पैकेज शामिल हैं। आईडीएफ ने कहा कि उसने गाजा पट्टी में सहायता पहुंचाने के चल रहे प्रयासों के तहत मानवीय सहायता हवाई मार्ग से पहुंचाई।

यह घटनाक्रम मानवीय संगठनों की ओर से गाजा में भुखमरी की स्थिति बिगड़ने की चेतावनी के बीच हुआ है, जहां मार्च में इजरायल की ओर से सभी क्रॉसिंग बंद कर दिए जाने के बाद से आवश्यक वस्तुओं की पहुंच गंभीर रूप से प्रतिबंधित हो गई है। आईडीएफ ने कहा था कि उसने उत्तरी गाजा पट्टी में एक हमले में हमास के एक काउंटर-इंटेलिजेंस कमांडर को मार गिराया है। आईडीएफ ने एक बयान में कहा कि हमास के जनरल सिक्योरिटी अपरेटस में काउंटर-इंटेलिजेंस निदेशालय के प्रमुख अमजद मुहम्मद हसन शायर की हत्या कर दी गई। इजरायली सेना के अनुसार, निदेशालय जासूसी को विफल करने और वरिष्ठ हमास अधिकारियों की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार है। बयान में कहा गया है कि गुरुवार को इजरायली वायु सेना ने गाजा पट्टी में दर्जनों सैन्य ठिकानों पर हमला किया।

पेरिस में सीरिया-इजराइल के बीच अमेरिकी मध्यस्थता में वार्ता, सुवैदा में तनाव कम करने पर चर्चा

एजेंसी

दमिश्क/पेरिस। सीरिया और इजराइल के अधिकारियों ने हालिया सुरक्षा तनाव को लेकर फ्रांस की राजधानी पेरिस में अमेरिकी मध्यस्थता में गोपनीय वार्ता की। यह बैठक विशेष रूप से दक्षिणी सीरिया के द्रूज-बहुल शहर सुवैदा में हो रही हिंसा और बढ़ते साम्प्रदायिक संघर्ष की पृष्ठभूमि में आयोजित की गई थी। एक वरिष्ठ सीरियाई अधिकारी ने पुष्टि की कि वार्ता के दौरान सीरियाई प्रतिनिधिमंडल ने देश की संप्रभुता, एकता और क्षेत्रीय अखंडता को लेकर स्पष्ट और कठोर रुख अपनाया। उन्होंने कहा, सुवैदा और वहां की जनता सीरिया का अभिन्न हिस्सा हैं, और समाज के किसी भी वर्ग का उपयोग विभाजनकारी एजेंडे के लिए बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हाल ही में इजराइल ने दमिश्क स्थित सरकारी प्रतिष्ठानों और सुवैदा प्रांत में सीरियाई सैनिकों पर हमले किए थे। मांग की कि इजराइली बल उन क्षेत्रों से तुरंत हटें, जहां वे हालिया अशांति के दौरान आगे बढ़े हैंसीरिया की सरकारी

इजराइल ने सीरियाई सेना को चेतावनी देते हुए कहा था कि वह द्रूज समुदाय को निशाना न बनाए। इस हस्तक्षेप ने क्षेत्र में तनाव और बढ़ा दिया। सीरियाई अधिकारी ने बताया कि सीरिया ने इस तनावपूर्ण स्थिति के लिए इजराइल को जिम्मेदार ठहराया और समाचार चैनल इखबरिया टीवी ने एक कूटनीतिक सूत्र के हवाले से बताया कि पेरिस में हुई यह वार्ता किसी अंतिम समझौते पर नहीं पहुंच सकी, लेकिन सभी पक्षों ने स्थिरता बनाए रखने के लिए बातचीत जारी रखने पर सहमति जताई है।

ड्रूज समुदाय की रक्षा के लिए कार्रवाई जारी रखेगा इजराइलः रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज

एजेंसी

तेल अवीव/दमिश्क। इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने कहा है कि इजराइल सीरिया में ड्रूज समुदाय की रक्षा के लिए अपनी कार्रवाई जारी रखेगा। उन्होंने यह बयान ड्रूजों के आध्यात्मिक नेता शेख मुवाफक तारीफ से मुलाकात के बाद दिया। कैट्ज ने कहा कि हम इजराइल के भीतर अपने ड्रूज भाइयों के प्रति प्रतिबद्ध हैं और उनके सीरियाई भाइयों की रक्षा के लिए भी कार्रवाई करते रहेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इजराइल सीरिया के ड्रूज समुदाय को तत्काल चिकित्सा और मानवीय सहायता मुहैया करवा रहा है। यह बयान ऐसे समय आया है जब दक्षिणी सीरिया के सुवैदा क्षेत्र में हाल ही में द्रूज सशस्त्र गुटों और सरकारी व जनजातीय बलों के बीच टकराव हुआ। इन घटनाओं के बाद इजराइल ने सीरियाई सेना के खिलाफ सैन्य हस्तक्षेप किया है और दमिश्क में सरकारी ठिकानों पर हमले किए हैं। वहीं, सीरिया की नई सरकार ने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि वह इजराइल से टकराव नहीं चाहती। इसके बावजूद, पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद के पतन के बाद से इजराइली सेना लगातार सीरिया पर हवाई हमले कर रही है और गोलान हाइट्स से आगे तक सैन्य कार्रवाई कर रही है। इन हमलों के बावजूद सीरिया ने अब तक कोई जवाबी सैन्य कार्रवाई नहीं की है, जिससे क्षेत्रीय असंतुलन और तनाव की स्थिति बनी हुई है।

बर्खास्त आव्रजन न्यायाधीश लड़ेंगे कानूनी लड़ाई, ट्रंप प्रशासन पर लगाया पक्षपात और राजनीतिक द्वेष का आरोप

एजेंसी

शिकागो। अमेरिका में आव्रजन न्यायालयों से जुड़े कई न्यायाधीश, जिन्हें डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन द्वारा बर्खास्त किया गया है, अब सामने आकर अपनी लड़ाई लड़ने का ऐलान कर रहे हैं। ये न्यायाधीश अब अपील कर रहे हैं, कानूनी कार्रवाई की राह पर हैं और सार्वजनिक रूप से प्रशासन के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार पद संभालने के बाद से अब तक 50 से अधिक आव्रजन न्यायाधीशों को उनके पद से हटाया जा चुका है। इनमें वरिष्ठ न्यायिक अधिकारी से लेकर हाल ही में नियुक्त हुए न्यायाधीश भी शामिल हैं। आमतौर पर न्यायाधीश सख्त आचार संहिता के तहत सार्वजनिक टिप्पणी करने से बचते हैं, लेकिन इस बार कई न्यायाधीश खुलकर प्रशासन की आलोचना कर रहे हैं और इसे 'अवैध बर्खास्तगी' बता रहे हैं। पूर्व मुख्य आव्रजन न्यायाधीश जेनिफर पेटन ने कहा है कि वो अपने काम से बेहद जुड़ी हुई थी और उसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही थी। लेकिन उनके छुट्टियों पर होने के दौरान तीन पंक्तियों की एक चिट्ठी के जरिए बर्खास्त कर दिया गया। प्रशासन की तरफ से अब तक कारण भी नहीं बताया गया है। 2016 में नियुक्ती पाने वाली पेटन ने बताया कि उन्हें अनुकरणीय कार्य मूल्यांकन मिले थे और उनके खिलाफ कभी कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने इस फैसले के पीछे राजनीतिक द्वेष, महिला विरोध और

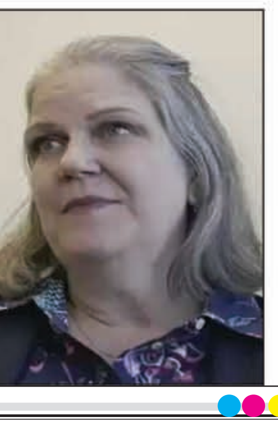

एक डेमोक्रेटिक सीनेटर को दी गई अदालत-यात्रा को जिम्मेदार ठहराया। सीनेटर डिक डर्बिन, जिन्हें पेटन ने जून में आव्रजन न्यायालय का दौरा कराया था, ने इस बर्खास्तगी को सत्ता का दुरुपयोग बताया है।एक अन्य न्यायाधीश कार्ला एस्पिनोसा को भी इसी महीने हटाया गया, जब वो एक फैसले की घोषणा कर रही थीं। एस्पिनोसा के अनुसार, यह कार्रवाई नस्लीय और लैंगिक भेदभाव पर आधारित है। उन्होंने कहा कि जिन न्यायाधीशों को हटाया गया उनमें बड़ी संख्या महिलाओं और लैटिन समुदाय से आने वाले नामों की है। एस्पिनोसा के मुताबिक, उनके खिलाफ कार्रवाई की एक वजह वह फैसला भी हो सकता है कि जिसमें उन्होंने एक ऐसे मैक्सिकन प्रवासी को रिहा किया था, जिस पर ट्रंप की हत्या की धमकी देने का झूठा आरोप था। हालांकि बाद में पता चला कि वह व्यक्ति किसी साजिश का शिकार हुआ था। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ प्रोफेशनल एंड टेक्निकल इंजीनियर्स यूनियन के प्रमुख मैट बिग्स ने कहा, जो न्यायाधीश अब भी अपनी कुर्सी पर हैं, वे बेहद डरे हुए और अनिश्चितता में हैं। दूसरी ओर, अमेरिकी न्याय विभाग की आव्रजन समीक्षा शाखा (ईओआईआर) की ओर से इन बर्खास्तगियों को लेकर कोई टिप्पणी नहीं की गई है।उल्लेखनीय है कि वर्तमान में देश में करीब 600 आव्रजन न्यायाधीश हैं, जबकि 3.5 मिलियन से अधिक मामलों का बैकलॉग है। ट्रंप प्रशासन की कड़ी आव्रजन नीति के तहत ये न्यायालय लगातार दबाव में हैं।

तीसरे सोमवार को नाथ नगरी में आस्था का आसमानी उत्सव, हेलीकॉप्टर से हुई पुष्पवर्षा

बरेली। सावन के तीसरे सोमवार को उत्तर प्रदेश की नाथ नगरी बरेली में भक्ति का अनोखा नजारा देखने को मिला। पहली बार शहर के सातों नाथ मंदिरों पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा की गई। जैसे ही आकाश से फूल बरसने लगे, मंदिर परिसर ह्रहर-हर महादेवह्व के जयघोष से गूंज उठा। शिवभक्तों ने इस पल को जीवन की सबसे खास अनुभूति बताया।

अलखनाथ मंदिर में सुबह 8:55 बजे से पुष्पवर्षा की शुरूआत हुई। इसके बाद त्रिवटीनाथ, धोपेश्वरनाथ, तपेश्वरनाथ, मढ़ीनाथ, पशुपतिनाथ और अंत में बनखंडीनाथ मंदिर तक हेलीकॉप्टर से फूल बरसाए गए। हर मंदिर पर आसमान ओ फूलों की बारिश की गई।

मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल, डीआईजी अजय कुमार साहनी, जिलाधिकारी अविनाश कुमार सिंह और एसएसपी अनुराग आर्य की मौजूदगी में भव्य आयोजन की शुरूआत हुई। गंगाजल लेकर लौटे कांवड़ियें और हजारों भक्त इस पुष्पवर्षा के साक्षी बने। श्रद्धालुओं ने शिवलिंग पर जल अर्पण कर भोलेनाथ से सुख-समृद्धि की कामना की।

इस ऐतिहासिक मौके को लेकर श्रद्धालुओं के साथ लोगों में भारी उत्साह दिखा। मंदिरों की छतों, गलियों और घरों की बालकनियों से लोग पुष्पवर्षा का दृश्य मोबाइल में कैद करते नजर आए। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक के चेहरे श्रद्धा और उल्लास से भरे रहे।

प्रशासन ने भी पूरी तैयारी कर रखी थी। सुरक्षा, ट्रैफिक और सफाई के चाक-चौबंद इंतजाम रहे। पुलिस और प्रशासन की टीमें सुबह से ही मुस्तैद रहीं। श्रद्धालुओं को किसी तरह की असुविधा न हो, इसका खास ख्याल रखा गया।

Begum & Badshsh Season 1 का हुआ ग्रैंड फिनाले टैलेंट और ग्लैमर का रहा शानदार संगम

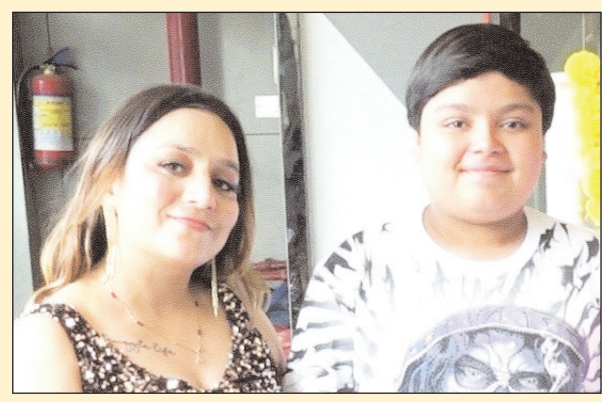

दिव्य दिल्ली : दिल्ली के केशव पुर मंडी स्थित Embrace Hotel में आयोजित हुआ बहुप्रतीक्षित Begum & Badshah Season 1 का ग्रैंड फिनाले, जहां टैलेंट, ग्लैमर और एंटरटेनमेंट का अनोखा संगम देखने को मिला। इस खास शाम की मेजबानी की जानी-मानी पंजाबी कलाकार, निर्देशक और शो की आयोजक विम्मी श.ड ने।कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने पहुंचे बॉलीवुड के मशहूर चाइल्ड आर्टिस्ट समर्थ, जिन्होंने भूल भुलैया 2 और लुका छुप्पी जैसी फिल्मों में अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीता है। कार्यक्रम में अन्य विशेष अतिथियों में शामिल रहे। डॉ. नरेश बंसल, गुरमीत सिंह, और रानीबाग एसएचओ प्रभांशु कुमार।कार्यक्रम की खास बात रही कि विम्मी श.ड ने आश्रम से बुजुर्गों को विशेष रूप से आमंत्रित किया, जो न सिर्फ समाज के प्रति उनके संवेदनशील दृष्टिकोण को दर्शाता है बल्कि दर्शकों के बीच एक भावनात्मक जुड़ाव भी उत्पन्न करता है।शो के दौरान सभी प्रतिभागियों और मॉडल्स को मंच पर अपने हुनर और व्यक्तित्व को प्रस्तुत करने का पूरा अवसर मिला। Begum & Badshah Season 1 के विजेताओं की घोषणा के साथ फिनाले का समापन हुआ, जिन्हें ट्रॉफी और सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया।

न्याय न मिलने पर मां बेटे ने शुरू किया धरना प्रदर्शन

कौशांबी। भूमिधरी जमीन पर कुछ दबंगों द्वारा जबरदस्ती कब्जा कर मकान बनाया जा रहा था। शिकायत करने के बाद भी थाना कोखराज में सुनवाई नहीं हुई। जहां सरकार भू माफिया को प्रदेश से बाहर बता रही है वहीं कौशांबी जनपद में भूमाफिया पुलिस के बल पर जमीन कब्जा करने का मुकाम हासिल कर रहे हैं।

आजमगढ़ में ईंट से कूचकर मजदूर की हत्या, जांच में जुटी पुलिस

आजमगढ़। जिले के रौनापार थाना क्षेत्र के रचनपट्टी बालाजी गांव में सोमवार की सुबह खेत के ट्यूबवेल पर एक मजदूर का लहूलुहान शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान विनय प्रजापति निवासी हरिपारा, थाना दोहरीघाट, जनपद मऊ के रूप में हुई, जो कई वर्षों से गांव में मोती चंद पटेल के यहां मजदूरी करता था।

रविवार की रात भोजन करने के बाद विनय प्रतिदिन की तरह ट्यूबवेल पर सोने चला गया था। सुबह जब कुछ ग्रामीण वहां पहुंचे तो देखा कि उसका शव खून से सना पड़ा है। सिर पूरी तरह कुचला हुआ था और चेहरे व शरीर पर चोटों के गहरे निशान थे। सूचना मिलते ही रौनापार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया।

घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी सगड़ी और एसपी ग्रामीण चिराग जैन भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि घटना के बाद सर्विलांस और फॉरेंसिक टीम साक्ष्य एकत्र कर रही है। युवक की ईंट से प्रहार कर हत्या की गई है। दो लोंगो पर हत्या की आशंका जताई गई है। दोनों संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

यूपी के हापुड़ में एसटीएफ की कार्यवाही में बिहार का इनामी डब्लू ढेर

हापुड़। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में थाना सिंभावली में यूपी एसटीएफ की नोएडा यूनिट और बिहार व हापुड़ पुलिस के साथ बदमाशों की मुठभेड़ हुई। सोमवार की तड़के हुई इस कार्यवाही में एक इनामी बदमाश गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसे तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। अस्पताल में इलाज के दौरान घायल बदमाश की मृत्यु हो गई है। मौके से काफी मात्रा में असलहे, कारतूस और अन्य सामान बरामद हुआ है।

मृतक बदमाश की पहचान डब्लू यादव पुत्र सूर्य नारायण यादव निवासी थाना साहेबपुर कमाल, बेगूसराय बिहार के रूप में हुई है। मृतक बदमाश गैंगस्टर डब्लू बेगूसराय बिहार से हत्या के केस में वांछित चल रहा था और 50,000 रुपये का इनाम घोषित था। बेगूसराय जिला अंतर्गत शाहपुर कमाल थाना क्षेत्र का मुख्य फरार गैंगस्टर डब्लू यादव कुख्यात अपराधी था और बेगूसराय जिला में रजिस्टर्ड गैंग ए 121 हैं।

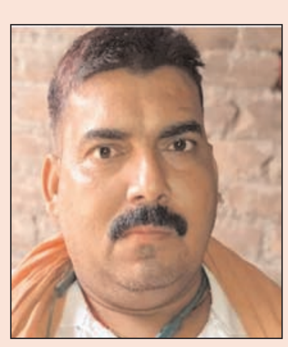

एसटीएफ के एडीजी अमिताभ यश के मुताबिक 24 मई 2025 को साहेबपुर कमाल थाना अंतर्गत बेगूसराय जिला के हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम पार्टी) के प्रखंड अध्यक्ष एवं सामाजिक कार्यकर्ता विकास कुमार उर्फ राकेश कदम को डब्लू यादव गैंग ने अपहरण कर हत्या कर दी थी। जिसमें यह फरार चल रहा था और उस पर 50,000 का इनाम भी घोषित था। एसटीएफ और बिहार व हापुड़ पुलिस को उसके हापुड़ में होने की सूचना मिली। इस पर ज्वाइंट आपरेशन में उसकी बढडा नहर के पास घेराबंदी कर ली गई। बदमाश ने पुलिस टीमों पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्यवाही में वह घायल हो गया और अस्पताल में मौत हो गई। मारे गए बदमाश पर लूट, हत्या जैसे गंभीर वारदात के करीब 24 मुकदमे दर्ज हैं।

औरैया: सड़क हादसे में दो की मौत

औरैया। उत्तर प्रदेश में औरैया जिले के अछल्दा थाना क्षेत्र स्थित बघईपुर गांव के चार लोगों की कार को टीकमपुर के पास रविवार देर शाम को एक ट्रक ने टक्कर मार दी थी। टक्कर के बाद से कार और उसमें सवार सभी लोग तालाब में जा गिरे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को बाहर निकाल कर इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां देरशत दो युवकों की मौत हो गई।

थाना प्रभारी रमेश सिंह ने सोमवार को बताया कि ग्राम खुर्मानपुर निवासी सर्वेश कुमार (30), ग्राम बघईपुर निवासी गोलू कुमार (28) उसकी पत्नी संतोषी और बहनोई रामपाल कार से कानपुर देहात के रूरा थाना क्षेत्र के लक्ष्मणपुर गांव में अपनी रिश्तेदारी में गए थे। रविवार शाम को सभी वापस लौट रहे थे। अभी वे टीकमपुर के पास पहुंचे थे, तभी पीछे से एक ट्रक ने कार में टक्कर मार दी।

हादसे में कार सड़क से तालाब में जा गिरी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से कार में फंसे सभी घायलों को बाहर निकालकर इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने देर रात सर्वेश कुमार और गोलू कुमार को मृत घोषित कर दिया। दोनों आपस में रिश्तेदार थे। वहीं, गोलू की पत्नी संतोषी और बहनोई रामपाल गंभीर रूप से घायल है। पुलिस ने परिवार को घटना के बारे में जानकारी देते हुए आगे की कार्रवाई में जुट गई।

सोनभद्र: रंजिश में सो रहे वृद्ध को मारी गोली

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में राबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र स्थित बढ़ौली वार्ड क्षेत्र में रविवार रात तीन बदमाशों ने घर के बाहर सो रहे एक वृद्ध को गोली मारकर फरार हो गए। परिजनों ने वृद्ध को घायलावस्था में जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया।

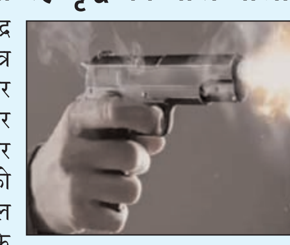

अपर पुलिस अधीधक (एएसपी) अनिल कुमार ने सोमवार को बताया कि बढ़ौली वार्ड क्षेत्र में रहने वाले चंदन भारती ने आरोप लगाया है कि उसके बड़े (ताऊ) देवकी राम(65) को बीती रात गोरारी निवासी पंकज पाण्डेय, बढ़ौली निवासी अनिल चौबे व प्रिंस चौबे ने सोते समय गोली मारी और फरार हो गए।

गोली की आवाज सुनकर कमरे से बाहर निकलने पर देखा कि बडे.पिता बिस्तर पर लहुलूहान हालत में तड़प रहे हैं। इस सूचना पर पुलिस पहुंची और घायल वृद्ध देवकी राम को जिला अस्पताल ले गए। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद बताया कि वह खतरे से बाहर है।

एएसपी ने बताया कि घटना के बाद पुलिस टीम मामले की जांच में लग गई है और हमलावरों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगा दी गई हैं। जांच के बाद जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा। चचाओं की माना जाए तो मामला जमीनी विवाद से जुड़ा हुआ है फिर भी पुलिस जांच के बाद सही जानकारी मिल पायेगी।

कांग्रेस को 'बर्दाशत नहीं' पाकिस्तान का अपमान: केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि आपरेशन सिंदूर' से भारत की सेना का मान सम्मान बढ़ा है, मगर कांग्रेस को पाकिस्तान का अपमान 'बर्दाश्त नहीं' है।

उन्होंने सोमवार को एक्स पर लिखा कि ऑपरेशन सिंदूर ने एक बार फिर पाकिस्तान समेत समूची दुनिया को जता दिया है कि जब भारत की सेना गरजती है, तो पाकिस्तान और उसकी खुराक पर पलने वाले आतंकी शिविरों में सन्नाटा पसर जाता है। सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक के बाद अब ऑपरेशन सिंदूर की विजय ने आतंकवाद की जड़ों को हिला कर रख दिया है। लेकिन देश में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और उनकी 'सदाबहार मंडली' के मानस पर इसका 'गहरा आघात' लगा है। इससे परेशान होकर उन्होंने भारतीय सेनाओं और उनके शौर्य पर ही सवाल उठा दिया है। भारत और पाकिस्तान के किसी भी मामले में वे पाकिस्तान के पक्षकार बन जाते हैं।

केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्णायक नेतृत्व का बारंबार अभिनंदन है। आतंकवाद के प्रति उनकी जीरो टॉलरेंस की नीति के कारण अब कोई भी आतंकी कहीं भी सुरक्षित नहीं है।

दो ई-रिक्शा की आमने सामने टक्कर में 70 साल के बुजुर्ग की मौत

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में दो ई-रिक्शा के भिड़ंत में एक सत्तर साल के बुजुर्ग की मौत हो गई। वहीं ई-रिक्शा में सवार दो किशोरियां गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना की सूचना पर रविवार को पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। आ पुलिस ने मुकदमा भी दर्ज कर हादसे की जांच शुरू कर दी है।

मुस्करा कस्बा थाना क्षेत्र के गुंदेला गांव निवासी रज्जू पुत्र विश्वनाथ ने बताया कि उनके पिता सामान लेने मुस्करा आए थे।

नाबालिग से दुष्कर्म का अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयागराज। कौंधियारा थाना की पुलिस ने धारा 363/366/376 भादवि0 व श पाक्सो एक्ट से सम्बन्धित अभियुक्त सूरज गौड निवासी जोगिया उर्फ योगिया थाना ब्रहमपुर जिला बक्सर , बिहार को कौंधियारा के गिधौंरा पुलिया के पास से गिरफ्तार किया। अभियुक्त के खिलाफ पंद्रह वर्षीय किशोरी को बहला फुसला कर दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज था।

औरैया : बारिश में लड़खड़ाई बिजली व्यवस्था, 12 गांवों में रातभर गुल रही आपूर्ति, जनजीवन अस्त व्यस्त

औरैया। जिले में शुक्रवार शाम तेज हवा के साथ आई बारिश ने औरैया जनपद की बिजली व्यवस्था की पोल खोल दी। शाम 6 बजे के बाद शुरू हुई बारिश के चलते कंचौसी कस्बे समेत आसपास के करीब 12 गांवों की बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई। बारिश के दौरान जगह-जगह फाल्ट की वजह से महिपाल पुरवा, नौगवा, अमरपुर, सुंदरपुर, रंजीतपुर, कनमऊ, हरतौली, सुखमपुर, मधवापुर, मढ़नई, बट्टाहा समेत कंचौसी के कई हिस्सों में बिजली आपूर्ति पूरी रात बाधित रही।

फाल्ट से बुरी तरह प्रभावित हुए ग्रामीण क्षेत्र

कंचौसी क्षेत्र की बिजली आपूर्ति मुख्य रूप से बिहारीपुर उपकेंद्र और नौगवा फीडर से होती है।

प्रतापगढ़ में पुलिस अधीक्षक ने की बड़ी कार्रवाई प्रभारी निरीक्षक सहित दो निरीक्षक निलंबित 29 का स्थानांतरण

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ जिले में पुलिस विभाग में बहुत बड़ा फेरबदल पुलिस अधीक्षक डॉक्टर अनिल कुमार ने किया है। उन्होंने एक प्राभारी निरीक्षक सहित दो उप निरीक्षक को निलंबित करने के साथ ही 29 उप निरीक्षकों का स्थानांतरण एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में सोमवार को सुबह कर दिया।

प्रभारी निरीक्षक पट्टी पंकज कुमार राय, उप निरीक्षक बैकुण्ठ नाथ पाण्डेय और सन्तोष कुमार पासवान को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। क्षेत्राधिकारी पट्टी की जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्य सरकार में लापरवाही, शिथिलिता बरते जाने पर पुलिस अधीक्षक द्वारा तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

ये हुए स्थानांतरित

उप निरीक्षक अरुण कुमार सिंह एसएसआई थाना लीलापुर से एसएसआई थाना लालगंज, एहसानुलहक खां बेलखरी पूरेलाल थाना कोतवाली देहात से एसएसआई थाना लीलापुर,जयकिशुन थाना अन्तू से चौकी प्रभारी बेलखरी पूरेलाल थाना कोतवाली देहात,अवधेश सिंह यादव पुलिस लाइन से चौकी प्रभारी कटरा थाना कोतवाली देहात, विजय कुमार त्रिवेदी पुलिस लाइन से चौकी प्रभारी मदाफरपुर थाना कोहड़ौर, गौरव त्रिवेदी पुलिस लाइन से चौकी प्रभारी कस्बा थाना पट्टी ,अनिल कुमार सिंह पुलिस लाइन से चौकी प्रभारी सुलतानपुर थाना रानीगंज,हरेंद्र सिंह चौकी छितपालगढ़ थाना देल्हूपुर से थाना लीलापुर, रमेश तिवारी पुलिस लाइन से चौकी प्रभारी छितपालगढ़ थाना देल्हूपुर, उपदेश कुमार पुलिस लाइन से चौकी सैफाबाद थाना आसपुर देवसरा, कामता प्रसाद पुलिस लाइन से चौकी जामताली थाना रानीगंज, देवी दयाल वर्मा पुलिस लाइन से चौकी प्रभारी कमासिन थाना बाघराय,दीपक कुमार यादव चौकी प्रभारी कस्बा थाना लालगंज से चौकी प्रभारी बाबूगंज थाना लीलापुर, पंकज कुमार सिंह पुलिस लाइन से थाना कोतवाली देहात, तौकिर अहमद खां पुलिस लाइन से थाना कोतवाली नगर,सतीश कुमार पुलिस लाइन से थाना कोतवाली नगर, सनद कुमार तिवारी पुलिस लाइन से थाना कोतवाली देहात, रियाज अहमद पुलिस लाइन से थाना जेठवारा,जज्ञेश कुमार पुलिस लाइन से थाना सांगीपुर,मो० अजहर खां पुलिस लाइन से थाना लालगंज, सरनाम सिंह पुलिस लाइन से चौकी,मुजाही थाना पट्टी।

, जगदेव सिंह पुलिस लाइन से थाना अन्तू, अशोक कुमार सिंह पुलिस लाइन से थाना बाघराय, कृष्णदेव राय पुलिस लाइन से थाना हथिगवां,मुन्ना सिंह यादव पुलिस लाइन से थाना संग्रामगढ़, राजीव कुमार शुक्ला पुलिस लाइन से थाना बाघराय,अकील अहमद पुलिस लाइन से थाना नवाबगंज।

।नोज कुमार तोमर पुलिस लाइन से चौकी प्रभारी ढकवा थाना आसपुर देवसरा श्रीमती कंचन लता पुलिस लाइन से थाना कोतवाली नगर का स्थानांतरण किया गया है।

मार पीट में वांछित दो अभियुक्तों को पुलिस ने भेजा जेल

होलागढ़/प्रयागराज। पुलिस आयुक्त व अपर पुलिस आयुक्त के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे, अभियान के क्रम में पुलिस उपायुक्त गंगानगर व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के कुशल पर्यवेक्षण में सहायक पुलिस आयुक्त सोरांव के कुशल नेतृत्व में, गंगानगर जोन के थाना होलागढ़ पर पंजीकृत मु0 अ0 सं0 75/25 से संबंधित दो वांछित अभियुक्त। 1. सूरज सरोज पुत्र किशोरी लाल सरोज निवासी अरुवांव थाना होलागढ़ 2. सूरज कुमार पुत्र कुल्लू पासी निवासी अरुवांव थाना होलागढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना होलागढ़ क्षेत्र अंतर्गत अरुवांव बंथरी स्थित बड़ी नहर फाटक के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गई।

बांदा में आठवीं की छात्रा को लेकर भागा मुस्लिम शिक्षक गिरफ्तार

बांदा। उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में बदौसा थाना क्षेत्र अतंर्गत एक निजी स्कूल में पढ़ाने वाले मुस्लिम शिक्षक पर स्कूल में पढ़ने वाली कक्षा आठ की नाबालिग छात्रा को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप लगा है। इस सूचना पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छात्रा को हमीरपुर जिले से सकुशल बरामद कर लिया और आरोपित शिक्षक को गिरफ्तार कर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

क्षेत्राधिकारी प्रवीण कुमार यादव ने सोमवार को बताया कि थाना बदौसा क्षेत्र अंतर्गत कक्षा आठ तक मान्यता प्राप्त एक निजी स्कूल है। स्कूल में इलाके में रहने वाला युवक फरहान (30) शिक्षक है। उसी स्कूल में फरहान की बहन भी शिक्षिका है। दोनों पर गांव में रहने वाले एक परिवार ने दो दिन पूर्व थाने में तहरीर देते हुए स्कूल में पढ़ने वाली अपनी नाबालिग बेटी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप लगाया था। उन्होंने तहरीर में यह भी बताया कि स्कूल में पढ़ाने वाले शिक्षक फरहान और उसकी बहन मिलकर हिंदू छात्राओं का ब्रेनवॉश कर उन्हें हिंदू धर्म के खिलाफ भड़काने का काम कर रहे हैं।

छात्रा के परिजनों के अनुसार, बीते दो साल से उनकी बेटी स्कूल में पढ़ रही है और लगातार बेटी के व्यवहार में बदलाव आने लगा है। वह धर्म संबंधी विचित्र बातें करने लगी है। इस मामले में बदौसा पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए अभियोग पंजीकृत करते हुए आरोपित फरहान को हमीरपुर से गिरफ्तार करते हुए छात्रा को सकुशल बरामद कर लिया।

सीओ ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। पीड़िता के बयान, चिकित्सीय परीक्षण व अन्य वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। मामले की विवेचना जारी है।

ग्रामीणों ने स्कूल की जांच कराने की उठाई मांग

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि जिस स्कूल में यह घटना हुई, वहां अक्सर बाहरी लोगों की आवाजाही रहती थी और पहले भी कई बार उसके संचालन पर सवाल उठ चुके हैं।

ग्रामीणों ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन से मांग की है कि स्कूल की गहन जांच कराई जाए और यदि कोई संगठित गिरोह से संबंधित तथ्य सामने आते हैं तो उस पर कठोर कार्रवाई की जाए।

श्रावण मास के तीसरे सोमवार को शिव मंदिरों में लगा भक्तों का रेला

प्रयागराज। श्रावण मास के तीसरे सोमवार को भोर से देवाधिदेव महादेव का जलाभिषेक करने को शिव मंदिरों में भक्तों की भीड़ लगी हुई है। भक्त बम-बम भोलेनाथ के जयघोष करते हुए अपनी बारी का इन्तजार करते कतार में खड़े हुए हैं। सुरक्षा के मद्देनजर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

बाबा भोलेनाथ के सबसे प्रिय श्रावण मास के तीसरे सोमवार को विश्व प्रसिद्ध संगम नगरी के दशाश्वमेध घाट से पतित पावनी मां गंगा का पवित्र जल भरने के लिए भक्त पहले गंगा में स्नान कर रहे है। उसके बाद गंगा जल लेकर भक्त अपने अपने इच्छित स्थान पर स्थित शिव मंदिर के लिए जा रहे हैं। इस दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा के मद्देनजर जल पुलिस, एनडीआरएफ, गोताखोर गंगा के घाट पर तैनात किए गए हैं। प्रयागराज शहर के ब्रम्हेश्वर महादेव, ललितेश्वर महादेव, मनकामेश्वर महादेव, घंटेश्वर महादेव, नागवासुकी मंदिर, कोटेश्वर महादेव, नरकेश्वर महादेव, पांडेश्वर महादेव, फूटाहवन महादेव शिव मंदिर, सिविल लाइन स्थित शिवालय में सोमवार भोर से ही भोलेनाथ का जलाभिषेक करने के भक्तों का रेला लगा हुआ है। कांवड़ लेकर जाने वाले भक्त दूर दूर से भक्त प्रयागराज के मां गंगा के दशाश्वमेध घाट से जल भरकर जलाभिषेक करने के लिए काशी विश्वनाथ, जौनपुर के सुजानगंज स्थित बाबा भोलेनाथ के शिव मंदिर सहित कई मंदिरों में पैदल चलकर जातें हैं। कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर श्रावण मास तक वाहनों के आवागमन में परिवर्तन किया गया है। इसके अतिरिक्त जोन वाइज पुलिस की टीमें सक्रिय हैं। इतना ही नहीं कांवड़ मार्गों की निगरानी सीसीटीवी कैमरों से की जा रही है।

सबकी नाक में दम कर देंगे प्रभास

तृप्ति डिमरी

पहले दिन कमाएगी 150 करोड़? स्पिरिट पर आया बड़ा अपडेट

संदीप रेड्डी वांगा अपने बॉलीवुड डेब्यू के साथ ही चर्चा का विषय बन गए थे. उनकी फिल्म एनिमल ने बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार कमाई भी की और उनकी इसी फिल्म का देशभर में भारी विरोध भी हुआ. फिल्म को लेकर लोगों की दोराय नजर आई. अब डायरेक्टर एनिमल के बाद अपनी अपकमिंग फिल्म स्पिरिट के जरिए एक बार फिर से दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर छा जाने के लिए तैयार हैं. उनकी फिल्म स्पिरिट को लेकर डायरेक्टर ने हाल ही में कुछ जरूरी अपडेट दिया है जो प्रभास और तृप्ति डिमरी के फैंस को खुश कर सकता है.

कब शुरू होगी स्पिरिट की शूटिंग ?

स्पिरिट फिल्म में पहले प्रभास के अपोजिट बॉलीवुड की सबसे सुपरहिट एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण नजर आने वाली थीं. लेकिन उनके फिल्म से हटने के बाद अब इसमें न्यू सेंसेशन तृप्ति डिमरी लीड रोल करती नजर आएंगी. फिल्म के डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा की मानें तो इस कास्ट के साथ ही वे फिल्म में आगे बढ़ना चाहते हैं. वे जल्द ही फिल्म की शूटिंग शुरू करना चाहते हैं. इस फिल्म की शूटिंग लीड कास्ट के साथ सितंबर के महीने से ही शुरू कर दी जाएगी. मेकर्स की ऐसी भी प्लानिंग है कि इसकी शूटिंग को कॉन्टिन्यूअस रखा जाएगा. डायरेक्टर की मानें तो पहले से ही इस फिल्म की म्यूजिकल कंपोजीशन्स पूरी कर दी गई हैं. इस फिल्म के गाने कंपोजर हर्षवर्धन रामेश्वर ने लिखे हैं.

क्या बजट वसूल पाएगी स्पिरिट ?

स्पिरिट फिल्म का बजट काफी ज्यादा माना जा रहा है. रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म का बजट 300 करोड़ से 500 करोड़ के बीच में हो सकता है. ऐसे में फिल्म को शुरुआती दिनों की कमाई से काफी उम्मीदें होंगी. जब स्पिरिट के डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा से इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा- मुझे ऐसा लगता है कि जितना बजट प्रड्यूसर ने इस फिल्म के लिए लगाया है वो पूरी तरह से सेफ हैं. इसकी वजह सिर्फ उनका और प्रभास का डेडली कॉम्बिनेशन ही नहीं है बल्कि फिल्म के सेटेलाइट और डिजिटल राइट्स भी हैं.संदीप ने कहा कि टीजर, ट्रेलर और सॉन्ग रिलीज को लेकर अगर सबकुछ ठीक रहा तो ये फिल्म ओपनिंग डे पर 150 करोड़ रुपए तक का कलेक्शन कर सकती है. आमतौर पर फिल्मों की शूटिंग के दौरान कई शेड्यूल्स फिक्स किए जाते हैं और टुकड़ों में शूटिंग की जाती है. लेकिन इस फिल्म की शूटिंग भी अलग तरह से की जाएगी. फिल्म की शूटिंग को एक साथ खत्म करने की तैयारी है और इसके शूटिंग प्लान्स भी तय कर लिए गए हैं.

900 करोड़ी एक्टर के साथ डेब्यू करने वाली थीं करिश्मा कपूर, जानें फिर कहां आ गई दिक्कत?

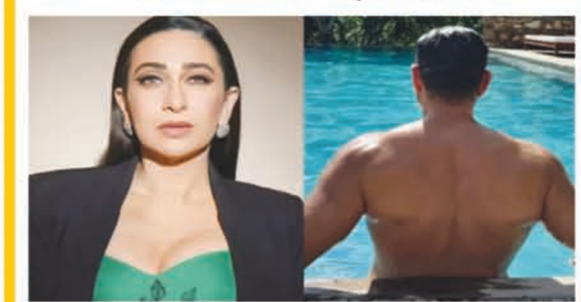

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस करिश्मा कपूर ने अपने कपूर परिवार की विरासत को आगे बढ़ाने का काम किया है. महज 16-17 साल की उम्र में बतौर लीड एक्ट्रेस डेब्यू करने वाली करिश्मा की पहली फिल्म थी 'प्रेम कैदी'. इसमें उनकी एक्टिंग की काफी तारीफें हुई थीं. वहीं पहली ही फिल्म में एक्ट्रेस ने स्विमसूट पहनकर भी तहलका मचा दिया था. करिश्मा ने डेब्यू फिल्म में अभिनेता हरीश कुमार के साथ काम किया था. लेकिन, उनका डेब्यू एक 900 करोड़ी फिल्म देने वाले अभिनेता के साथ हो सकता था.पहली ही फिल्म से दर्शकों के दिलों में जगह बनाने वाली करिश्मा कपूर को कपूर खानदान से होने के चलते कई एक्टिंग ऑफर मिले थे. हरीश कुमार के साथ बॉलीवुड में अपना करियर शुरू करने वाली करिश्मा का डेब्यू कभी दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के बेटे बॉबी देओल संग होने वाला था. दोनों को लेकर एक फिल्म बनने वाली थी.

बॉबी संग होने वाला था करिश्मा का डेब्यू

'प्रेम कैदी' से पहले करिश्मा कपूर जिस फिल्म के साथ डेब्यू कर सकती थी वो थी 'बाल ब्रह्मचारी'. बॉबी और करिश्मा को लेकर मेकर्स ने इस पिक्चर का ऐलान किया था. हालांकि फिल्म उस समय बन ही नहीं पाई और फिर करिश्मा को दूसरी फिल्म से अपने एक्टिंग करियर का आगाज करना पड़ा. बाल ब्रह्मचारी बाद में बनी थी और साल 1996 में रिलीज हुई थी. इसमें करिश्मा के अपोजिट अभिनेता राज कुमार के बेटे पुरु राजकुमार ने काम किया था. ये पुरु की पहली फिल्म थी.

बॉबी की डेब्यू फिल्म में भी कास्ट हुई थीं करिश्मा

करिश्मा ने जहां 'प्रेम कैदी' से डेब्यू किया था तो वहीं बॉबी का डेब्यू साल 1995 में आई फिल्म 'बरसात' से हुआ था. इसके लिए भी मेकर्स ने करिश्मा को कास्ट किया था. पहले शेखर कपूर ने बॉबी और करिश्मा के साथ 20 दिन की शूटिंग कर ली थी. लेकिन, बाद में इस पिक्चर से करिश्मा और शेखर अलग हो गए.फिर इसका डायरेक्शन राजकुमार संतोषी ने किया और इसमें बॉबी के अपोजिट ट्विंकल खन्ना को कास्ट किया था. ये फिल्म सुपरहिट साबित हुई थी. बॉबी ने अपने करियर में शुरुआती सालों में 'गुप्त', 'बादल' और 'सोल्जर' जैसी फिल्मों से पहचान बनाई थीं. लेकिन, फिर उन्होंने कई फ्लॉप फिल्में दीं. हालांकि साल 2023 में आई 900 करोड़ कमाने वाली फिल्म 'एनिमल' से अभिनेता ने दमदार वापसी की थी.

'बॉर्डर 2' के सेट से दिलजीत दोसांझ की विदाई, वरुण धवन ने बांटे लड्डू

पंजाबी एक्टर और सिंगर दिलजीत दोसांझ कुछ वक्त पहले तक अपनी फिल्म सरदार जी 3 को लेकर लोगों के बीच सुर्खियां बटोर रहे थे. हालांकि, अब उन्होंने अपनी दूसरी मोस्ट अवेटेड फिल्म 'बॉर्डर 2' की शूटिंग खत्म कर ली है. शूटिंग के आखिरी दिन दिलजीत लोगों के बीच काफी प्यार भरे अंदाज में नजर आए. उनका ये अंदाज सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है. वो सेट के आखिरी दिन को अपने को-स्टार वरुण धवन और अहान शेट्टी के साथ संलिब्रेट करते नजर आ रहे हैं.

'बॉर्डर 2' में फिल्मी दुनिया के कई जाने माने नाम शामिल हैं. फिल्म में दिलजीत की शूटिंग पूरी होने पर फिल्म की स्टार कास्ट ने इस पल को शानदार तरीके से सिलब्रेट किया. दिलजीत ने वरुण और अहान के साथ ही साथ सेट पर सभी टीम मेंबर को लड्डू बांटी. एक्टर ने खुद के अकाउंट पर इस वीडियो को शेयर किया है, इसमें सबसे कमाल की बात ये रही है कि वीडियो में बॉर्डर फिल्म का फेमस गाना संदेशं आते हैं बज रहा था. दिलजीत सेट पर मस्ती करते दिख रहे हैं.

'बॉर्डर 2... की शूटिंग खत्म'

दिलजीत ने अपने अकाउंट पर वीडियो को पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा कि 'बॉर्डर 2' की शूटिंग खत्म. फिल्म का लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. फिल्म में दिलजीत के किरदार की बात की जाए, तो उन्होंने इस बात का खुलासा किया है कि वह भारतीय वायु सेना के एक अधिकारी निर्मल जीत सिंह सेखों की भूमिका निभा रहे हैं, जिन्हें मरणोपरांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था. उन्हें इस रोल में देखने के लिए उनके फैंस काफी खुश हैं.

फिल्म से हटाने की मांग

हालांकि, सरदार जी 3 के विवाद के बीच दिलजीत को फिल्म से हटाने की मांग की जा रही थी. कई जगह ऐसी अफवाह भी थी कि उन्हें 'बॉर्डर 2' से रिप्लेस किया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ. अफवाह के बीच दिलजीत ने अपने सोशल मीडिया पर फिल्म की शूटिंग के दौरान की कुछ तस्वीरें शेयर की, जिससे लोगों को उनके फिल्म में होने की कंफर्मेशन हो गई. सरदार जी 3 की बात करें, तो फिल्म में पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर के शामिल होने से फिल्म को भारत में बैन कर दिया गया था.

IPS ऑफिसर बनना चाहती थीं

रवीना टंडन

इस दिग्गज हस्ती की थीं बहुत बड़ी फैन

साल 1991 से लेकर अब तक रवीना टंडन फिल्मी दुनिया में काम कर रही हैं. 90 के दशक की सबसे पॉपुलर एक्ट्रेस में से एक रहीं रवीना का जलवा आज तक जारी है. फिल्मी दुनिया में वो अमिट छाप छोड़ चुकी हैं. हालांकि कभी रवीना एक्ट्रेस नहीं बनना चाहती थीं. बचपन में रवीना के अंदर देश सेवा का जज्बा था और वो IPS अधिकारी बनने के ख्वाब देखा करती थीं. लेकिन, उनकी किस्मत को ये मंजूर नहीं था.रवीना टंडन ने बॉलीवुड में अपना डेब्यू साल 1991 में आई फिल्म 'पत्थर के फूल' से किया था. इसमें उनके अपोजिट अभिनेता सलमान खान नजर आए थे. इसके बाद एक्ट्रेस ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और वो 90 के दशक की सबसे बेहतरीन एक्ट्रेस के तौर पर अपनी पहचान बनाने में सफल रहीं. लेकिन, एक्टिंग फील्ड में आने से पहले वो जाने-माने ऐड डायरेक्टर प्रहलाद कक्कड़ के अंदर इंटर्नशिप करती थीं. जबकि आईपीएस ऑफिस बनने के ख्वाब भी देखा करती थीं.

किरण बेदी की जबरा फैन थीं रवीना

कभी किरण बेदी, रवीना टंडन की इंस्पिरेशन हुआ करती थीं. किरण बेदी भारत की पहली महिला आईपीएस के रूप में जानी जाती हैं. भारत की पहली महिला आईपीएस अधिकारी बनकर उन्होंने इतिहास रच दिया था. रवीना भी उनके जैसी बनना चाहती थीं और उनकी बहुत बड़ी फैन थीं. लेकिन, बाद में वो प्रहलाद कक्कड़ के कहने पर बॉलीवुड में आ गईं.

रवीना टंडन का वर्कफ्रंट

रवीना टंडन के पिता रवि टंडन बॉलीवुड के मशहूर डायरेक्टर थे. बाद में एक्ट्रेस ने भी पिता की तरह बॉलीवुड में ही अपना करियर बनाया. 'पत्थर के फूल' से डेब्यू करने के बाद रवीना ने अपने करियर में 'दिलवाले', 'लाडले', 'मोहरा', 'खिलाड़ियों का खिलाड़ी', 'जिद्दी', 'गुलाम ए मुस्तफा, 'दूल्हे राजा', 'बड़े मियां छोटे मियां', 'अनाड़ी नंबर 1' और 'घतस्न 2' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में दीं.रवीना के वर्कफ्रंट की बात करें तो अब वो फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में नजर आएंगी. अहमद खान के डायरेक्शन में बन रही ये पिक्चर इसी साल रिलीज होने वाली है.

पशु चिकित्सा विकृति विज्ञान विभाग द्वारा पशु स्वास्थ्य एवं जागरूकता शिविर का आयोजन

दिव्य दिल्ली: राजेश कतनौरिया (भरमाड़)

चौधरी सरवन कुमार हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर के पशु चिकित्सा विकृति विज्ञान विभाग द्वारा ह्लअनुसूचित जाति समुदाय में पशुधन एवं अश्व आबादी के वैज्ञानिक हस्तक्षेप द्वारा संवर्धनह्व विषय पर आधारित एक दिवसीय पशु स्वास्थ्य एवं जागरूकता शिविर का आयोजन सिद्धपुर - घोड़ा किया गया। यह परियोजना राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र द्वारा प्रायोजित है। शिविर का नेतृत्व विभागाध्यक्ष डॉ. आर. के. असरानी एवं परियोजना प्रमुख अन्वेषण डॉ. राकेश कुमार द्वारा किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जाति समुदाय के पशुपालकों को वैज्ञानिक पद्धतियों से पशुधन, विशेषकर अश्व एवं दुग्ध पशुओं के पालन, स्वास्थ्य एवं पोषण प्रबंधन के बारे में जागरूक करता रहा। इस अवसर पर चयनित प्रगतिशील पशुपालकों को आवश्यक दवाइयाँ, कृमिनाशक दवाएं तथा पोषण सामग्री निःशुल्क वितरित की गई। साथ ही रोगों की पहचान, रोकथाम एवं उपचार से जुड़ा व्यवहारिक प्रशिक्षण भी विशेषज्ञों द्वारा दिया गया। कार्यक्रम में डॉ. अभय वर्मा, पशु मादरोग विशेषज्ञ, पशु चिकित्सालय भरमाड़ तथा उनके स्टाफ की विशेष भूमिका रही। उन्होंने क्षेत्रीय पशुपालकों को स्थानीय जलवायु एवं परिस्थितियों के अनुसार वैज्ञानिक पशुपालन के महत्व को समझाया। डॉ. वर्मा ने पशुओं में सामान्य मादरोग समस्याओं तथा उनकी रोकथाम से संबंधित बहुमूल्य जानकारी भी प्रदान की, जिससे पशुपालकों को गर्भधारण, प्रसव तथा प्रजनन संबंधी जटिलताओं को समझने और समय पर उचित उपचार हेतु जागरूकता प्राप्त हुई

जल जनित रोगों की आशंका से जागरूक करने हेतु किया गया आयोजन : सी एम ओ

दिव्य दिल्ली : विजय आजाद (सिरमौर)

बरसात के मौसम में जल जनित रोगो के फैलने की बहुत आशंका रहती है खासकर डेंगू ० हेपाटाइटिस बहुत तेजी से फैलते हैं। गत वर्ष नाहन में डेंगू के बहुत अधिक मामले सामने आये थे इन चीजों को ध्यान में रखते हुए आज स्वास्थय विभाग जिला सिरमौर की ओर से एक जागरूकता रैली का आयोजन किया जिसमे बड़ी संख्या में स्वास्थय कर्मियों ,नर्सिंग छात्राओं ने भाग लिया और हाथों में डेंगू से सुरक्षा जैसे स्लोगनों के साथ नगर में लोगो को जागरूक किया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अमिताभ जैन ने बताया कि वर्षा ऋतु में जल जनित रोग व मच्छरों से फैलने वाले डेंगू जैसे रोगों की आशंका बनी रहती है हालांकि अभी तक जिला में कोई डेंगू का मामला सामने नहीं आया है। फिर भी विभाग ने आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से यह जागरूकता रैली आयोजित की है।

न्यूज फ्लैश

सुजानपुर नगर परिषद में हो रहे है लाखों रुपये के घोटाले

दिव्य दिल्ली: समित कुमार (सुजानपुर)

नगर परिषद सुजानपुर में लाखों रुपए के घोटाले हुए हैं ऐसे कार्य फाइलों में कर दिए गए हैं उन कार्यों के पैसों का भुगतान कर दिया गया है लेकिन यह कार्य धरातल पर नहीं हुए हैं जो भी इस तरह के कार्य नगर परिषद के कर्मियों द्वारा किए गए हैं उनकी जांच संबंधित विभाग या प्रदेश सरकार कराये अन्यथा इस जांच को करवाने के लिए वह माननीय उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे। यह बात नगर परिषद सुजानपुर के उपाध्यक्ष मनीष गुप्ता ने सोमवार को नगर परिषद कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहीं। नगर परिषद के उपाध्यक्ष मनीष गुप्ता ने कहा कि शहर के वार्ड नंबर 3, 4 और 6 में ऐसे ऐसे कार्य नगर परिषद ने फाइलों में कर दिए हैं जो धरातल पर हुए ही नहीं है और उन कार्यों के भुगतान तक कर दिए गए हैं उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि नगर परिषद सुजानपुर ने वार्ड नंबर 6 में एक स्थान पर टाइल डालने का कार्य किया जबकि इस कार्य को करवाने के लिए कोई भी प्रस्ताव पास नहीं हुआ था उस वार्ड में एक पुराने कुएं के जीर्णोद्धार हेतु बजट का प्रावधान किया गया था लेकिन उसे पैसे को वहां खर्च ना करके उसे पैसे से अन्य कार्य करवा दिए गए उन्हें जब इस बात की सूचना मिली तो उन्होंने नगर परिषद अधिकारी और कनिष्ठ अभियंता से आग्रह किया और लिखित तौर पर कहा कि यह कार्य गलत हुआ है इसलिए इसका भुगतान नहीं होना चाहिए उसके बावजूद नगर परिषद की ओर से उस ठेकेदार को खुश करने के लिए आधी रकम उसे जारी कर दी गई इस बात की उन्हें जानकारी मिली तो उन्होंने पुनः नगर परिषद से कहा कि जो आपने पैसे दिए हैं यह गलत दिए हैं यह पैसे वापस ले लिए जाए अन्यथा न्यायालय के माध्यम से इस विषय पर सभी को जवाब देना होगा।

29 जुलाई को हिमाचल किसान सभा का शिमला में प्रदर्शन ,सिरमौर से 500 किसान लेंगे भाग

दिव्य दिल्ली: विजय आजाद (सिरमौर)

प्रदेश में जमीन बेदखली व अन्य किसानों की मांगों को लेकर 29 जुलाई को शिमला में सचिवालय का घेराव को हिमाचल किसान सभा का आवाहन है। इसमें सिरमौर जिला से पांच सौ किसान भाग लेंगे। इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। इस विषय पर और जानकारी देने के लिए किसान सभा सिरमौर के उपाध्यक्ष राजिंदर ठाकुर ने एक प्रेस कांफ्रेंस में बतायाकि प्रदेश में 4 लाख परिवार ऐसे हैं जिन्हे अभीतक जमीन का अधिकार नहीं मिला है। प्रदेश में नौतोड़ नियमों के तहत भूमि हीन में ,सीलिंग सीलिंग में ,मुजारा में जो जमीन 70 के दशक में दी गयी थी और किसान ,बागवान उस पर खेती कर रहे हैं उस जमीन के पट्टे किसानो को नहीं दिए गए। और 1980 में वन संरक्षण अधिनियम बनाकर किसानों की भूमि का स्वामी वन विभाग को बना दिया। इन्हीं विषयों को लेकर यह घेराव किया जा रहा है।

पात्र कामगारों तक पहुंचाएं बोर्ड की योजनाओं का लाभ : नरदेव सिंह कंवर

दिव्य दिल्ली: समित कुमार (हमीरपुर)

हिमाचल प्रदेश भवन निर्माण एवं अन्य सन्निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष नरदेव सिंह कंवर ने सोमवार को यहां बोर्ड के मुख्यालय में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ बैठक करके विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। नरदेव सिंह कंवर ने कहा कि बोर्ड की योजनाओं का लाभ पात्र कामगारों तक पहुंचाने के लिए हिम परिवार पोर्टल के माध्यम से सभी कामगारों की ई-केवाईसी सुनिश्चित की जा रही है। ई-केवाईसी का कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूरा होना चाहिए। बोर्ड की ओर से दिए जाने वाले क्लेम की रिपोर्ट तलब करते हुए नरदेव सिंह कंवर ने कहा कि अगर वांछित दस्तावेज जमा न किए जाने के कारण कोई मामला लंबित चल रहा है तो उसके बारे में संबंधित कामगार को अवगत करवाया जाना चाहिए तथा उस मामले का त्वरित निपटारा किया जाना चाहिए। निर्धारित प्रक्रिया पूर्ण होने पर और वेरिफिकेशन के बाद तुरंत क्लेम जारी होना चाहिए। बोर्ड में आउटसोर्स आधार पर नियुक्त कर्मचारियों के मानदेय की समीक्षा करते हुए नरदेव सिंह कंवर ने कहा कि इन कर्मचारियों के मानदेय में वृद्धि के प्रस्ताव को बोर्ड के निदेशक मंडल की बैठक में रखा जाएगा। इन कर्मचारियों को बोर्ड की कुल 26 शाखाओं और विभिन्न विभागों में एडजस्ट करने पर भी विचार किया जा रहा है। अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू हमेशा सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य के साथ कार्य करते हैं। मुख्यमंत्री के दिशा-निर्देशों की अक्षरशः अनुपालन के लिए सभी अधिकारी-कर्मचारी तत्परता के साथ कार्य करें। बैठक के दौरान नरदेव सिंह कंवर ने बोर्ड की अलग-अलग शाखाओं का कार्यभार देख रहे एक-एक अधिकारी एवं कर्मचारी से विस्तृत रिपोर्ट ली और विभिन्न कार्यों में आ रही दिक्कतों तथा योजनाओं के क्रियान्वयन के बारे में आवश्यक फीडबैक भी लिया। इस अवसर पर बोर्ड मुख्यालय के एसओ विनय कुमार, एससीएफ और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

एक दशक पम्मा के एंग्री मैन खिताब को होने पर व्यापारी व सामाजिक जगत ने किया स्वागत

दिव्य दिल्ली

पिछले एक दशक से एंग्री मैन का खिताब नेशनल अकाली दल के अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा के पास होने पर दल की महिला विंग राष्ट्रीय अध्यक्ष भावना धवन व एन ए डी दिल्ली प्रदेश के सचिव विक्रांत मोहन की ओर से पश्चिमी दिल्ली के कीर्ति नगर में एक स्वागत समारोह का कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें दिल्ली के व्यापारियों ने व्यापार और सामाजिक जगत ने उनका जोरदार स्वागत किया। स्वागत समारोह में कैट के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष विपिन आहूजा, भारतीय उद्योग व्यापार मंडल पंजीकृत के अध्यक्ष प्रेम अरोड़ा, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष भारतीय उद्योग व्यापार मंडल राष्ट्र वरिष्ठ महामंत्री हेमंत गुप्ता, भोलानाथ मार्केट मोरी गेट चेयरमैन चंद्रभूषण गुप्ता, केमिकल मार्केट अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता और भारतीय उद्योग डिपार्मेंट दिल्ली प्रदेश के महामंत्री व फेडरेशन का सदर बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन पंजीकृत के अध्यक्ष राकेश कुमार यादव महामंत्री राजेंद्र शर्मा कार्यकारी अध्यक्ष योगेंद्र चौधरी, वीरेंद्र आर्य व अन्य व्यापारी नेता और समाजसेवी उपस्थित थे। इस अवसर पर भावना धवन व विक्रांत मोहन ने कहा परमजीत सिंह पम्मा का 'एंग्री मैन' खिताब उनके आक्रामक विरोध प्रदर्शनों और आम आदमी की आवाज बुलंद करने के कारण 2015 में दिया गया था जो अभी तक उनके पास उनके पास कायम है।भावना धवन व विक्रांत मोहन ने कहा पम्मा हमेशा आम लोगों के साथ-साथ व्यापारियों की भी समस्याओं को लगातार उठते रहते हैं। चाहे महंगाई का मुद्दा हो या भ्रष्टाचार बच्चों के स्कूल में दाखिले व फीस में आ रही दिक्कत को लेकर हमेशा आवाज उठाते आ रहे हैं। इस अवसर पर राकेश यादव व विपिन आहूजा ने कहा परमजीत सिंह पम्मा हमेशा व्यापारियों की आवाज प्रशासन व सरकार तक पहुंचाते रहते हैं बड़ी खुशी की बात है। परमजीत सिंह पम्मा जैसा नेता व्यापारियों के साथ है। जिसके कारण व्यापारियों की कई समस्याएं जो सरकार व प्रशासन तक पहुंचती हैं, उनके जल्द से हाल होता है।

भाजपा प्रवक्ता मेलाराम शर्मा ने प्रदेश सरकार पर हिटलर की तरह काम करने का लगाया आरोप

दिव्य दिल्ली: विजय आजाद (सिरमौर)

सिरमौर जिला भाजपा प्रवक्ता मेलाराम शर्मा ने प्रदेश सरकार पर हिटलर की तरह काम करने का आरोप लगाया है । उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश के मंडी जिला के सिराज विधानसभा क्षेत्र में इस सदी की सबसे बड़ी त्रासदी हुई और प्रदेश की सुक्खू सरकार लोगों को राहत पहुंचाने की बजाय वहां के लोगों पर झूठी एफआईआर दर्ज करने के हिटलरी काम कर रही है । उन्होंने कहा कि बादल फटने की त्रासदी से प्रभावित लोग सरकार से फौरी राहत की उम्मीद लगाए बैठी है परंतु सरकार के इशारे पर वहां की पुलिस राहत कार्यों में हाथ बंटाने की बजाय प्रभावित लोगों पर एफ आई आर दर्ज करके उन्हें प्रताड़ित करने का काम कर रही है । उन्होंने कहा संकट की घड़ी में जहां एक और पूरा प्रदेश राज्य के कोने-कोने से राहत सामग्री और धनराशि भेज कर वहां के लोगों का दुख दर्द बांटने का काम कर रहे हैं वहीं यह हिटलरी सरकार बाढ़ प्रभावितों और पीड़ित लोगों पर झूठे मुकदमे दायर करवा कर उनके जख्मों पर नमक छिड़कने का काम कर रही है। जिला प्रवक्ता ने इस बात पर भी हैरानी जताई कि भाजपा कार्यकर्ता प्रदेश भर के 171 भाजपा मंडलों के माध्यम से सिराज के पीड़ित लोगों के लिए राहत सामग्री और धनराशि एकत्रित करके उनका दुख दर्द बांटने का काम कर रहे हैं परंतु दूसरी तरफ सुक्खू सरकार के बेलगाम मंत्री जगत सिंह नेगी उल्टा जयराम ठाकुर से ही भाजपा कार्यकताओं द्वारा उपलब्ध राहत राशि का हिसाब मांग रहे हैं। उन्होंने जगत सिंह नेगी के उस बयान को शर्मसार कर देने वाला बयान करार देते हुए कहा कि यहां तो सरकार को जनता के सामने सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई राहत सामग्री और धनराशि का विवरण देना चाहिए परंतु दिवालिया हो चुकी सरकार के संवेदनहीन मंत्री अब उल्टा उन भाजपा कार्यकताओं द्वारा उपलब्ध कराई गई धनराशि और राहत सामग्री का हिसाब मांग रहे हैं। प्रदेश के कोने-कोने से आम लोगों ने सिराज चुनाव क्षेत्र के प्रभावितों के लिए एकत्रित करके भेजी धनराशि और राहत सामग्री का हिसाब मांगना सरकार के मंत्रियों की घटिया मानसिकता को उजागर करता है।

उन्होंने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से आग्रह किया कि वह अपनी सरकार के मंत्रियों की बेलगाम वाणी पर अंकुश लगाए वरना मंडी जिला के थुनाग में राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी के घेराव और जूते परेड की घटना के कारण लोगों का लोकतंत्र से विश्वास खत्म हो जाएगा। और प्रदेश के अन्य मंत्रियों के साथ भी जगह-जगह ऐसी ही घटनाएं होगी और इसके लिए सरकार स्वयं जिम्मेदार होगी।

एसडीएम नरेंद्र जरियाल ने ज्वाली में संभाला कार्यभार

ऊषा जरियाल (जवाली)

मिनी सचिवालय जवाली में नवनियुक्त उपजिलाधिकारी नरेंद्र जरियाल ने औपचारिक रूप से अपना कार्यभार संभाल लिया है। कार्यभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने अधिकारियों की एक बैठक ली और क्षेत्र में पारदर्शी, त्वरित और प्रभावी प्रशासन देने का आश्वासन दिया। एसडीएम नरेंद्र जरियाल ने कहा कि जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान उनकी प्राथमिकता होगी। साथ ही, लंबित विकास कार्यों की समीक्षा कर उन्हें गति देने पर विशेष जोर दिया जाएगा। कार्यालय में कार्यभार ग्रहण के बाद उन्होंने स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों और गणमान्य व्यक्तियों से भी औपचारिक मुलाकात की। इस मौके पर तहसीलदार विनोद टंडन बीडीओ मनोज शर्मा नायब तहसीलदार सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

चप्पल निर्माण कार्यशाला का आयोजन

दिव्य दिल्ली: विनय महाजन (नूरपुर)

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मल्हड़ी में अर्जुन सेव अर्थ फाउंडेशन के सहयोग से एक दिवसीय चप्पल निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यशाला में विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, पुनः उपयोग की महत्ता तथा स्वावलंबन की ओर प्रेरित किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य सतीश जी के मार्गदर्शन में हुआ। डॉ. अशोक पठानिया, प्रिया, मधु, अनीता, अंजू तथा श्रीमती रजनी ने मास्टर ट्रेनर के रूप में विद्यार्थियों को चप्पल निर्माण की विभिन्न तकनीकों की जानकारी दी।प्रधानाचार्य सतीश ने अर्जुन सेव अर्थ फाउंडेशन के मार्गदर्शक श्री बृजेश पठानिया का विशेष रूप से धन्यवाद किया और कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं न केवल विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान देती हैं, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भरता की ओर भी अग्रसर करती हैं।

नगर पंचायत शाहपुर में विकास कार्यो पर 4 करोड़ रुपये खर्च

दिव्य दिल्ली: शशि भूषण (शाहपुर)

नगर पंचायत शाहपुर के वार्ड नंबर एक में स्थापित विद्युत संचालित नलकूपों के लोकार्पण अवसर पर शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने कहा कि बीते ढाई वर्षों में नगर पंचायत क्षेत्र में करीब 4 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न विकासात्मक परियोजनाएं पूर्ण की गई हैं। उन्होंने बताया कि नगर वासियों को स्वच्छ एवं निर्बाध पेयजल सुविधा प्रदान करने के लिए अब तक 14 विद्युत संचालित हैंडपंप स्थापित किए जा चुके हैं तथा 13 और हैंडपंप शीघ्र लगाए जाएंगे। इसके अतिरिक्त नगर क्षेत्र में 14 वाटर कूलर भी लगाए जा चुके हैं। विधायक ने यह भी जानकारी दी कि आगामी दिनों में नगर पंचायत क्षेत्र में 65 नए कार्यों की शुरूआत की जाएगी, जिन पर 2.50 करोड़ रुपये व्यय किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रीतमनगर के लिए वैकल्पिक मार्ग की संभावनाओं पर विचार किया जाएगा, साथ ही कम वोल्टेज की समस्या के समाधान के लिए भी उचित कदम उठाए जाएंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं वार्ड नंबर एक की पार्षद एवं नगर पंचायत अध्यक्ष ऊषा शर्मा ने उप मुख्य सचेतक का स्वागत किया और नगर क्षेत्र में कराए गए विकास कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया।

कारगिल विजय दिवस पर अर्पित की श्रद्धांजलि

दिव्य दिल्ली: विनय महाजन (नूरपुर)

कारगिल विजय दिवस के अवसर पर जिला नूरपुर भाजपा संगठन द्वारा कंडवाल के ज्योति रिजॉर्ट में वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कांगड़ा चंबा लोकसभा सांसद डॉ राजीव भारद्वाज मैं इस अवसर पर लोगों को संबोधित किया ' इस अवसर पर मौजूद लोगों ने देशभक्ति पर आधारित हिंदी फिल्म "अमरन" देखी, जो शहीदों के बलिदान और देशभक्ति की भावना को समर्पित है। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा विधायक रणवीर सिंह निक्का ने की ' इस अवसर पर जिला नूरपुर भाजपा संगठन के अध्यक्ष का काका मौजूद रहे उन्होंने इस कार्यक्रम की बागडोर संभाली हुई थी ' नूरपुर विधायक रणवीर सिंह निक्का ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि कारगिल विजय दिवस हमें देश की रक्षा में शहीद हुए वीर सैनिकों के बलिदान की याद दिलाता है। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे हमेशा देश के प्रति समर्पित रहें और राष्ट्र सेवा को सर्वोपरि रहे '

मुनीष कुमार ने 69 मत ले कर अपने प्रतिद्वंद्वी बरूण को 54 मतों से हराया

करुनीत रंधावा (पठानकोट)

गांव जुगियाल में हुए चार पंचों के चुनाव के परिणाम घोषित हो गए है, जिसके लिए चुनाव अधिकारी मुकेश ने चुनाव के परिणामों की घोषणा करके, बार्ड नंबर एक से बंदना कुमारी, जिसने 64 मत व उसके साथ मुकाबला करने वाली सुमन देवी को 14 वोट हासिल हुए है, जिससे बंदना कुमारी को पचास मतों से विजयी घोषित किया गया है। इसके साथ ही बार्ड नंबर तीन से मीना कुमारी ने 46 मत हासिल किए तथा उनके साथ मुकाबला करने वाले सौदागर मल्ल को 43 वोट मिले, जिससे मीना कुमारी तीन मतों से विजयी घोषित हुई। वार्ड नंबर चार से मुनीष को 67 वोट व उनका मुकाबला करने वाली शिमला देवी को 58 वोट मिली है, जिससे मुनीष कुमार नौ वोटों से विजयी हुए है। बार्ड नंबर आठ में मुनीष कुमार ने अपने विरोधी कैंडिडेट को 54 मतों से हराकर जीत हासिल की है। गांव के पूर्व सरपंच मदन लाल , सरपंच प्रवीण कुमार व अन्य गांव वालों ने विजयी हुए पंचों को फूल मालाएं पहनाकर सम्मानित किया। यह बात बता दे की ग्राम पंचायत जुगियाल में 11 वार्ड है, जिसमें से आज चार बार्डो के चुनाव पूरे हुए है तथा अब देखना यह है कि पंचायत का कोरम अभी भी पूरा होता है या नहीं। यह एक अभी भी प्रश्न चिन्ह बना हुआ है

बलिदानों से भरा है पंजाब पुलिस व होमगार्ड के जांबाजों का गौरवशाली इतिहास: मंत्री कटारुचक्क

दिव्य दिल्ली: करुनीत रंधावा (पठानकोट)

दीनानगर पुलिस स्टेशन पर हुए फिदायीन हमले में शहादत का जाम पीने वाले होमगार्ड की बटालियन नंबर एक के जवान बोधराज निवासी सैदीपुर का 10वां बलिदान दिवस शहीद सैनिक परिवार सुरक्षा परिषद के महासचिव कुंवर रविन्द्र सिंह विक्की की अध्यक्षता में गांव पक्खोचक्क स्थित मिलन पैलेस में आयोजित किया गया। जिसमें कैबिनेट मंत्री पंजाब लालचंद कटारुचक्क बतौर मुख्य मेहमान शामिल हुए। इसके अलावा शहीद की पत्नी सुदेश कुमारी, बेटी ज्योति, बेटा तरुणदीप, भाई सूबेदार राजकुमार,पी.सी.टी ह्यूमैनिटी के संस्थापक जोगिंदर सिंह सलारिया, शहीद की बटालियन के कंपनी कमांडर इंस्पेक्टर राकेश कुमार, बी.सी विंग के जिला प्रधान नरेश सैनी, रक्तवीर ठाकुर भूपिंदर सिंह मुन्ना, थाना प्रभारी अंग्रेज सिंह, समाज सेवक डा. राजिंदर शर्मा, बलिदानी नायक मेहर सिंह वीर चक्र के बेटे प्रवीण कुमार, बलिदानी सिपाही मोहन सिंह चिब सेना मेडल के भाई ठाकुर जीवन सिंह चिब, बलिदानी सिपाही मक्खन सिंह के पिता हंसराज, बलिदानी सिपाही जतिंदर कुमार के पिता राजेश कुमार, बलिदानी सिपाही अमर सिंह के बेटे कैप्टन विभीषण सिंह, बलिदानी सिपाही अश्वनी कुमार शौर्य चक्र के भाई बुई लाल, सरपंच युवराज सिंह, सरपंच खुशबीर काटल, थाना प्रभारी एस.आई अंग्रेज सिंह आदि ने विशेष मेहमान के तौर पर शामिल होकर शहीद को श्रद्धासुमन अर्पित किए। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि व अन्य मेहमानों ने शहीद के चित्र समक्ष ज्योति प्रज्वलित व पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का आगाज किया।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397